राष्ट्रीय हिंदी/अंग्रेज़ी दैनिक

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

नई दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, एनसीआर, नूंह से प्रकाशित

संपादक अभयसिंह सैनी

9992904845,8059956005

वर्ष : 03 | अंक : 73 | नूंह, शनिवार 14 दिसंबर 2024 | आर एन आई नंबर : HARBIL/2022/87426 | मूल्य : 2 रूपए | पेज : 08 | mewatnewsexpress11@gmail.com

महाकुंभ को दी सौगातें

संगम की धरती को पीएम ने किया प्रणाम, लेटे हनुमान की पूजा की

एजेंसी ▶▶| प्रयागराज

पीएम नरेंद्र मोदी शुक्रवार को संगम नगरी प्रयागराज पहुंचे। इस अवसर पर उन्होंने सबसे पहले देवी-देवताओं और मां गंगा की पूजा की। इसके बाद करोड़ों की परियोजनाओं की सौगातें देकर संगम नगरी को धन्य किया। इस दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री और राज्यपाल भी उनके साथ मौजूद रहीं।

संगम की भूमि को किया प्रणाम

पीएम मोदी ने संगम को प्रणाम किया। कर्मचारियों और सफाई कर्मियों का अभिनंदन किया। विश्व का इतना बड़ा आयोजन हर रोज लाखों श्रद्धालुओं की सेवा की तैयारी लगातार 45 दिन तक चलने वाला महायज्ञ एक नया महानगर बसाने का महाभियान प्रयागराज की धरती पर नया इतिहास रचा जा रहा है।

हनुमान मंदिर के प्रस्तावित कॉरिडोर के मॉडल का किया अवलोकन

पीएम मोदी संगम तट पर स्थित श्री बड़े हनुमान मंदिर पहुंचे। यहां पर हनुमान मंदिर के प्रस्तावित कॉरिडोर के मॉडल का अवलोकन किया। मॉडल के अवलोकन के दौरान प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) के वीसी ने पीएम को परियोजना के बारे में विस्तार से बताया।

साधु और संतों ने स्वागत किया

प्रधानमंत्री मोदी संगम तट पर पहुंचे तो साधु और संत ने उनका स्वागत किया। साथ ही यहां विधि-विधान से गंगा पूजन किया।

पीएम के साथ सीएम योगी और राज्यपाल आनंदी बेन पटेल भी साथ मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

रेणुका मर्डर केसः एक्टर दर्शन को बड़ी राहत

नई दिल्ली। कन्नड़ सिनेमा के सुपरस्टार दर्शन थुगुदीपा को बड़ी राहत मिली है। कर्नाटक हाईकोर्ट ने एक्टर को हाई प्रोफाइल रेणुका स्वामी मर्डर केस में जमानत दे दी है। 9 जून को बेंगलुरू में एक फ्लाईओवर पर 33 साल के ऑटो चालक रेणुका स्वामी को मृत पाया गया था। दर्शन के कहने पर उसे किडनैप किया गया था।

रामगिरी में देवेंद्र तो देवगिरी में रहेंगे शिंदे

मुंबई। महाराष्ट्र में देवेंद्र फडणवीस सीएम और एकनाथ शिंदे और अजित पवार उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ले चुके हैं। पूर्व मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे बतौर उपमुख्यमंत्री नंबर दो के पोजिशन में रहेंगे। उन्हें नागपुर का देवगिरी बंगला आवंटित किया जा रहा है। उपमुख्यमंत्री अजित पवार को विजयगढ़ बंगला दिया गया है।

जज के खिलाफ रास में महाभियोग का नोटिस

नईदिल्ली। विभिन्न विपक्षी दलों के सदस्यों ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश शेखर कुमार यादव के हाल में दिए गए कथित 'विवादास्पद बयान' के लिए उनके खिलाफ महाभियोग चलाने के वास्ते शुक्रवार को राज्यसभा में नोटिस दिया। जस्टिस शेखर यादव ने कहा था कि यह देश बहुसंख्यकों के हिसाब से चलेगा।

मुख्य सचिवों के सम्मेलन आज, मोदी करेंगे अध्यक्षता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 14 और 15 दिसंबर को राजधानी दिल्ली में आयोजित मुख्य सचिवों के चौथे राष्ट्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे। सम्मेलन में अन्य लोगों के अलावा मुख्य सचिव, सभी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के वरिष्ठ अधिकारी और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ भी उपस्थित रहेंगे।

आज राष्ट्रपति भवन में नहीं होगा चेंज ऑफ गार्ड समारोह

नई दिल्ली। राष्ट्रपति भवन ने कहा है कि राष्ट्रपति पोलो प्रदर्शनी मैच के कारण इस बार आज शनिवार को 'चेंज ऑफ गार्ड' समारोह नहीं होगा। राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में आयोजित होने वाला 'चेंज ऑफ गार्ड' समारोह एक सैन्य परंपरा है। यह हर सप्ताह आयोजित किया जाता है। राष्ट्रपति के अंगरक्षकों का एक नया समूह कार्यभार संभालता है।

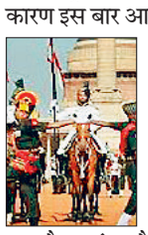

कांग्रेस की तरफ से लोस में संविधान पर विशेष चर्चा का आगाज करते हुए बोलीं

अगर लोकसभा चुनाव के नतीजे ऐसे नहीं होते तो सरकार संविधान बदल देतीः प्रियंका गांधी

▶▶| नई दिल्ली

लोकसभा में शुक्रवार को संविधान पर विशेष चर्चा का कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने आगाज किया। बतौर सांसद सदन में यह उनका पहला भाषण था। जिसमें उन्होंने सात दशक से अधिक समय तक देश की सत्ता पर काबिज रही कांग्रेस और उसके गठबंधन की सरकारों के तमाम फैसलों का पुरजोर अंदाज में समर्थन किया। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली मौजूदा राजग सरकार पर जमकर हमला बोला। प्रियंका के करीब 31 मिनट के भाषण के दौरान सदन में उनके बड़े भाई और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और लोकसभा आगंतुक गैलरी में उनकी मां और राज्यसभा सदस्य सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पति रॉबर्ट वाड्रा और उनका बेटा रेहान वाड्रा मौजूद रहे। प्रियंका के भाषण के बाद राहुल गांधी व पार्टी के अन्य नेता सदन में उन्हें बधाई देते हुए नजर आए।

10 साल में सरकार ने तोड़ा संविधान सुरक्षा कवच

उन्होंने कहा, वाद-विवाद की जिस स्वस्थ व प्राचीन परंपरा के साथ हमारा स्वतंत्रता संग्राम लड़ा गया था। उसी भावना के साथ संविधान का निर्माण भी किया गया। इसलिए ये केवल एक दस्तावेज नहीं बल्कि एक सुरक्षा कवच है। जो देशवासियों के लिए न्याय, एकता और अभिव्यक्ति की आजादी को सुरक्षित रखता है। प्रियंका ने इन तमाम तत्वों और जन आकांक्षाओं को हर दिल में जलने वाली जोत बताते हुए कहा कि संविधान ने हर देशवासी को चर्चा का अधिकार दिया है। जिससे वो सरकार बना और बिगाड़ सकता है। सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय का वादा संविधान करता है। सत्ता पक्ष ने दस साल में इस सुरक्षा कवच को तोड़ने का काम किया है। उन्होंने सरकार पर आरोप लगाया कि अगर लोकसभा चुनाव के नतीजे ऐसे नहीं होते तो सरकार संविधान बदल देती।

लेटरल एंट्री, निजीकरण से आरक्षण पर प्रहार

प्रियंका ने कहा कि लैटरल एंट्री और निजीकरण से आरक्षण कमजोर होगा। सरकार ऐसा कर रही है। जाति आधारित जनगणना का मुद्दा उठाते वक्त सरकार न जाने कौन-कौन सी बातें करने लगती हैं। वो मंगलसूत्र की बात करने लगते हैं। संविधान को गरीबों की भलाई करने वाला बताते हुए उन्होंने कहा कि इसके जरिए मजलूमों और महिलाओं को आवाज मिली है। मैं यहां 15 दिन से आ रही हूं। लेकिन मैंने पीएम मोदी को मात्र दस मिनट के लिए ही सदन में देखा है।

आज अंग्रेजों की हुकूमत जैसा डर का माहौल

प्रियंका ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उसकी विभाजनकारी नीतियों की वजह से देश में शक और घृणा के बीज बोए जा रहे हैं। आज डर का ऐसा माहौल है जैसा अंग्रेजों के समय पर था। पहले आम जनता ने सरकार के खिलाफ धरने, प्रदर्शन किए, जिम्मेदार नेताओं से खुलकर जवाब तलब किए। लेकिन आज ऐसा नहीं है। सरकार चर्चा और आलोचना से डरती है।

संभल हिंसा, उन्नाव रेप का मुद्दा उठाया

प्रियंका ने संभल हिंसा, उन्नाव रेप पीड़िता और किसानों के मुद्दे पर सरकार को घेरा। संभल की हिंसा में मारे गए अदनान के पिता का जिक्र करते हुए कहा कि मेरी अदनान से मुलाकात हुई थी। उसने मुझे कहा कि मेरे पिता का सपना मुझे डॉक्टर बनाने का था। जिसे मैं पूरा करके रहूंगा। हमारा संविधान ही उसे ये ताकत प्रदान करता है जिससे वो डॉक्टर बनेगा। उन्नाव रेप पीड़िता को अपना मुकदमा स्वयं लड़ने का हौसला भी देश का संविधान ही देता है। हाथरस में युवती की मौत और जबरन उसके अंतिम संस्कार का मामला भी प्रियंका ने सदन में उठाया। प्रधानमंत्री मोदी संविधान को सिर माथे पर लगाते हैं। लेकिन संभल, हाथरस और मणिपुर के मामले पर मौन रहते हैं।

किसान भगवान भरोसे, अडाणी को बचाती सरकार

उन्होंने किसानों के आंदोलन को लेकर कहा कि हमारे देश का किसान परेशान है। सरकार ने उसे भगवान भरोसे छोड़ दिया है। यह सरकार अडाणी के मुनाफे के लिए चल रही है। कानून उद्योगपतियों के लिए हैं। एक व्यक्ति के लिए सब कुछ बदला जा रहा है और 142 करोड़ जनता को नकारा जा रहा है। अडाणी को सारे कोल्ड स्टोरेज भाजपा की सरकार ने दिए हैं। इन सबसे आर्थिक न्याय का सुरक्षा कवच टूट रहा है।

क्या सारी जिम्मेदारी नेहरू जी की ही है?

प्रियंका ने पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू का नाम लेकर कांग्रेस पर हमला बोलने वाली सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि 75 साल पहले की सरकार को देश की जनता का भरोसा मिला। आप पुरानी नहीं वर्तमान की बात करिए और देश को बताइए कि आप क्या कर रहे हैं? आपकी क्या जिम्मेदारी है। सारी जिम्मेदारी नेहरू जी की है तो आपकी क्या है? देश निर्माण में उनकी महती भूमिका को कभी नहीं हटाया जा सकता है।

दाग मुक्त करती भाजपा की वाशिंग मशीन

उन्होंने कहा, पहले की सरकारों के फैसलों से मौजूदा सरकार भी सबक ले सकती है। आप बैलेट पर चुनाव कर लीजिए। दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। प्रियंका ने केंद्र पर महाराष्ट्र, गोवा और हिमाचल प्रदेश में जनता द्वारा चुनी गई सरकारों को तोड़ने की कोशिश का आरोप लगाते हुए कहा कि इनके यहां वाशिंग मशीन है।

जलमार्गों की संख्या 5 से 111 हुईः सोनोवाल

सरकार ने जलमार्गों के कायाकल्प के लिए 6,000 करोड़ रुपए का निवेश किया

▶▶| नई दिल्ली

केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने संसद सत्र के दौरान 2014 से अंतर्देशीय जलमार्गों के पुनरोद्धार में हुई प्रगति पर प्रकाश डाला। सोनोवाल ने कहा कि मोदी सरकार ने माल ढुलाई के एक व्यवहार्य विकल्प के रूप में अंतर्देशीय जलमार्गों के पुनरोद्धार के लिए पिछले एक दशक में 6,000 करोड़ से अधिक का निवेश किया है, साथ ही जलमार्गों के समृद्ध जाल का उपयोग करके यात्री संपर्क में सुधार किया है। वर्ष 1986 में आईडब्ल्यूएआई की स्थापना के बाद से पिछले 28 वर्षों में इस क्षेत्र में केवल 1,620 करोड़ का निवेश हुआ था। राष्ट्रीय जलमार्गों की संख्या 5 से बढ़कर 111 हो गई। सोनोवाल ने कहा, जलमार्गों ने अपने प्रदर्शन में काफी सुधार किया है क्योंकि इसके माध्यम से माल परिवहन की कुल मात्रा 2013-14 में 18.07 मिलियन मीट्रिक टन से बढ़कर 2023-24 में 132.89 मिलियन मीट्रिक टन हो गई है, जिसमें 22.1% की वार्षिक वृद्धि दर है। हमने 2030 तक जलमार्गों के माध्यम से 200 मिलियन मीट्रिक टन कार्गो आवाजाही का लक्ष्य रखा है। 2047 के लिए, कार्गो आवाजाही के लिए एक व्यवहार्य विकल्प के रूप में अंतर्देशीय जलमार्गों के विकास में विश्वास रखते हुए हमने 500 मिलियन मीट्रिक टन का लक्ष्य रखा है। 20,236 किमी की नौवहन योग्य लंबाई में से 17,980 किमी नदियां हैं और 2,256 किमी नहरें हैं, जो मशीनी शिल्प के लिए उपयुक्त हैं। उन्होंने बताया कि प्राधिकरण क्षमता वृद्धि की दिशा में काम कर रहा है।

- अंतर्देशीय जलमार्गों के माध्यम से माल की आवाजाही 133 मिलियन

हरियाणा भाजपाः दिल्ली में मंथन

नायब, बड़ौली, पूनिया और नागर ने बैठक में की चर्चा

▶▶| नई दिल्ली

हरियाणा भाजपा के सदस्यता अभियान, आगामी निकाय चुनाव और संगठन से जुड़े मुद्दों पर चर्चा के लिए शुक्रवार को नई दिल्ली स्थित हरियाणा भवन में एक अहम बैठक हुई। बैठक में मुख्यमंत्री नायब सैनी, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली, हरियाणा प्रदेश भाजपा प्रभारी सतीश पूनिया, सह प्रभारी सुरेन्द्र नागर और प्रदेश भाजपा के संगठन मंत्री फणिंद्र नाथ शर्मा ने हिस्सा लिया। इसमें हरियाणा में पार्टी के सदस्यता अभियान की प्रगति, संगठन से जुड़े मुद्दों, प्रदेश में निकाय चुनावों को लेकर रणनीति पर मंथन हुआ। प्रदेश सरकार के कामकाज और योजनाओं को लेकर भी चर्चा हुई। बड़ोली ने कहा कि भाजपा की ओर से प्रदेश में साधारण सदस्य बनाने का अभियान चलाया जा रहा है। 10 दिसंबर से सक्रिय सदस्य बनाने के अभियान की भी शुरुआत की गई है। पार्टी की ओर से हरियाणा में 50 लाख साधारण और 50 हजार सक्रिय सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है। 50 सदस्य बनाने वाले व्यक्ति ही पार्टी का सक्रिय सदस्य बन पाएगा।

महुआ ने किया जज लोया की मौत का जिक्र, लोकसभा में जमकर हंगामा

▶▶| नई दिल्ली

तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने शुक्रवार को लोकसभा में जज बीएच लोया की मृत्यु पर एक संक्षिप्त टिप्पणी की, इस पर सदन में जमकर हंगामा हुआ है। हंगामा इतना बढ़ा कि लोकसभा अध्यक्ष को सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने अध्यक्ष से कार्रवाई की मांग की। रिजिजू ने कहा कि अध्यक्ष ने मामले को संज्ञान में लिया है। इस मसले पर हम लोगों की तरफ से उचित संसदीय कार्यवाही की जाएगी। इस तरह की टिप्पणी करना गलत परंपरा है।

लोकसभा में उस समय हंगामा खड़ा हो गया जब टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने जस्टिस लोया की मौत पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि जस्टिस लोया तो अपने समय से बहुत पहले ही इस दुनिया से विदा हो गए।

संसदीय कार्यमंत्री रिजिजू ने अध्यक्ष से की कार्रवाई की मांग

हंगामा होने के बाद लोकसभा स्पीकर ने संदन को आधे घंटे के लिए स्थगित कर दिया।

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने कुछ याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए लोया की मौत में किसी भी तरह की गड़बड़ी की संभावना को खारिज कर दिया था और कहा था कि उनकी मौत प्राकृतिक कारणों से हुई थी। 2014 में उनकी मौत ने एक मीडिया रिपोर्ट के बाद बड़ा विवाद खड़ा कर दिया था, जिसमें गड़बड़ी का आरोप लगाया गया था, क्योंकि वह एक राजनीतिक रूप से संवेदनशील मामले की सुनवाई कर रहे थे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि गड़बड़ी का आरोप लगाने वाली जनहित याचिकाओं में कोई दम नहीं है। रिजिजू ने कहा, हम उचित संसदीय कार्रवाई करेंगे। आप बच नहीं सकते। आप बहुत गलत मिसाल कायम कर रहे हैं। स्पीकर बिरला ने कहा कि वह रिकॉर्ड की जांच करेंगे।

मोइत्रा ने लोया की मृत्यु पर एक संक्षिप्त, लेकिन विवादास्पद टिप्पणी की। उन्होंने आलोचनात्मक आवाजों को चुप कराने के लिए संस्थानों और विपक्षी नेताओं को कथित रूप से निशाना बनाने के लिए सत्तारूढ़ भाजपा पर हमला किया। मोइत्रा ने 'बुलडोजर जस्टिस' को लेकर भी भाजपा सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि ईडी और सीबीआई जैसी एजेंसियां सरकार का जबरन वसूली विभाग बन गई हैं। अनुच्छेद 360 को हटाए जाने को लेकर भी मोइत्रा ने भाजपा सरकार पर हमला बोला और कहा कि राज्य के लोगों की बोलने की आजादी बाधित हो गई है। पिछले 10 साल में राजनीतिक ओहदेदारों ने लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाया है।

वहीं भाजपा सदस्य निशिकांत दुबे ने निशिकांत दुबे ने महुआ मोइत्रा पर बीएच लोया की मौत के बारे में आक्षेप लगाने का आरोप लगाया। उन्होंने भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की आलोचना पर भी आपत्ति जताई, जो हाल ही में सेवानिवृत्त हुए थे, जिसमें गणपति उत्सव के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उनके आवास पर स्वागत करना भी शामिल है। किरेन रिजिजू ने कहा कि मामला सुलझा लिया गया है और टीएमसी सांसद की टिप्पणी बहुत गंभीर थी। उन्होंने कहा कि किसी भी तरह के संबंध या हस्तक्षेप का कोई सवाल ही नहीं है।

मैं किसान मजदूर का बेटा हूं आप विपक्षी नेताओं को बेइज्जत कर रहेः खरगे

राज्यसभा में वो हुआ जो कभी नहीं हुआ

किसान का बेटा हूं, झुकूंगा नहीं: जगदीप धनखड़

▶▶| नई दिल्ली

माना जा रहा था कि संविधान पर सोमवार को चर्चा से पहले शुक्रवार को उच्चसदन की कार्यवाही अपेक्षाकृत शांत ढंग से चलेगी, मगर ऐसा कुछ नहीं हुआ। सभापति जगदीप धनखड़ और विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे के बीच ऐसी झड़प हुई कि शायद उच्चसदन के इतिहास में ऐसा पहले कभी न हुआ हो! दोनों के बीच तल्ख बॉडी लैंग्वेज के साथ तीखी संवाद अदायगी हुई। उसके बाद सुबह के समय ही सभापति ने सदन की कार्यवाही सोमवार के लिए स्थगित कर दी।

दो दिन पहले सभापति के खिलाफ पांच दर्जन से अधिक विपक्षी नेताओं ने मिलकर अविश्वास प्रस्ताव मूव किया। आरोप लगाया गया कि सभापति विपक्षी नेताओं के साथ हेडमास्टर सा रुख अपनाते हैं। बेइज्जत करते हैं। सत्ता पक्ष के प्रति झुकाव उनका ज्यादा रहता है। उनके प्रवक्ता सा बर्ताव करते हैं। तब से सभापति और विपक्ष के बीच सदन के अंदर तनातनी स्पष्ट देखी जा रही थी। लेकिन शुक्रवार को सभापति के सब्र का बांध टूट गया। उन्होंने खरगे से कहा, मैं किसान का बेटा हूं। किसी परिस्थिति में भी कमजोर नहीं पड़ूंगा। आपको बहुत बार बैठक के लिए बुलाया लेकिन आप नहीं आए। अभी आप आसंदी पर आरोप नहीं लगा रहे बल्कि संवैधानिक संस्था का अपमान कर रहे हैं। आपको मेरी नहीं तो कम से कम आसंदी की इज्जत का तो ख्याल रखना चाहिए!

इस पर उसी आक्रामक तेवर में जवाब देते हुए खरगे ने कहा, आप किसान के बेटे हैं तो मैं किसान मजदूर का बेटा हूं। आप विपक्षी नेताओं को बेइज्जत करते हैं और खुद की इज्जत करने की बात करते हैं! उन्होंने सभापति से कहा कि आपसे कहीं ज्यादा चुनौतियां मैंने झेली हैं। हम सब यहां आपकी प्रशंसा सुनने नहीं आए हैं। खरगे ये बात भाजपा के सुरेंद्र नागर की बात सुनकर कही। नागर ने विपक्ष पर आरोप लगाते हुए कहा कि आसंदी पर किसान का बेटा बैठा है ये बातें विपक्षी नेताओं को हजम नहीं हो रही वे अविश्वास प्रस्ताव लाते हैं। भाजपा के राधा मोहन अग्रवाल ने तो अविश्वास प्रस्ताव पर दस्तखत करने वाले सभी सांसदों के खिलाफ विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव रखने की इजाजत सभापति से मांगी। नीरज शेखर और किरण चौधरी भी विपक्ष पर खूब भड़के।

जब सभापति और विपक्ष के बीच तीखा संवाद चल रहा था उस समय सदन में फ्री फॉर ऑल जैसा माहौल था। संजय सिंह और डेरेक ओ ब्रायन जोर जोर से बोल रहे थे, वहीं कांग्रेस के सभी सांसद भाजपा सांसदों को बिना नियम बताए बोलने की इजाजत सभापति द्वारा देने पर विरोध दर्ज कर रहे थे। तिरुचि शिवा को सभापति ने बोलने का मौका दिया तो उन्होंने कहा किसी सांसद के खिलाफ बिना सभापति की सहमति सदन में आरोप नहीं लगा सकता।

निकिता सिंघानिया को नोटिस

तीन दिन के अंदर पेश हो', बेंगलुरू पुलिस ने घर पर चिपकाया नोटिस

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरू

पत्नी निकिता सिंघानिया और ससुराल वालों से परेशान होकर आत्महत्या करने वाले बेंगलुरू के सॉफ्टवेयर इंजीनियर अतुल सुभाष के केस में अब अतुल के भाई विकास ने एफआईआर दर्ज कराई थी। अब निकिता की पत्नी के जौनपुर वाले घर पहुंची बेंगलुरू पुलिस को जब कोई भी आरोपी नहीं मिला तो पुलिस की टीम ने घर के गेट पर नोटिस चिपका दिया। 3 दिन के अंदर बेंगलुरू पुलिस के जांच अधिकारी के पास पहुंचने आदेश दिया है।

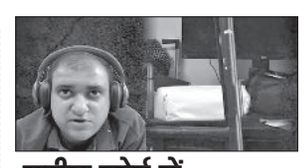

सुप्रीम कोर्ट में पीआईएल दाखिल

अब सुप्रीम कोर्ट में ऐसे मामलों को लेकर एक पीआईएल दाखिल की गई है। इसमें अपील की गई है कि देश में घरेलू हिंसा और दहेज उत्पीड़न कानूनों का बेजा इस्तेमाल हो रहे है। इनके जरिए पुरुषों को कई बार बेवजह ही प्रताड़ना का शिकार होना पड़ता है। इसलिए गाइडलाइंस तय की जाएं।

पीआरआई सदस्यों को खंड स्तरीय कार्यशाला में किया प्रशिक्षित

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

कनीना, अनिल शर्मा। जल शक्ति मंत्रालय भारत सरकार के कार्यक्रम के तहत जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग एवं जल एवं स्वच्छता सहायक संगठन की टीम द्वारा पेयजल व्यवस्था के संचालन एवं रखरखाव के लिए कनीना के बीआर होटल में पीआरआई सदस्यों व ग्राम जल एवं सीवरेज समिति सदस्यों के लिए एक दिवसीय क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन जिला सलाहकार मंगतु राम सरसवा की अध्यक्षता में आयोजित किया। कार्यशाला में उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए जिला सलाहकार मंगतुराम सरसवा ने बताया कि ग्रामोत्थान के लिए सबसे पहले हमें जल की प्रत्येक बूंद को सहेज कर रखना है। व्यर्थ में बह रहे पानी को रोकना जरूरी है। इसके अलावा पीआरआई व ग्राम जल एवं सीवरेज समिति के सभी सदस्यों की जिम्मेदारी बनती है कि वे अपने गांव में जल प्रबंधन के लिए आगे आए व जल का समान वितरण करते हुए हर घर जल पहुंचाने का काम करे। इसके साथ-साथ उन्होंने महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए जल जीवन मिशन में शामिल की गई स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को उनके कार्यों के बारे में भी अवगत करवाया। जल जीवन मिशन के तहत गांवों में नल जल मित्र के रूप में कार्य कर रहे नलकूप चालकों से कहा कि पेयजल सप्लाई का समय निर्धारित करते हुए लॉग बुक लगवाएं ताकि जमीन से लगातार हो रहे पानी के दोहन को कम किया जा सके। हर नल पर वॉल या टूंटी लगवाएं ताकि पानी की हर बूंद को बहने से बचाया जा सके। इसके अलावा इस

तरह के कार्यक्रम ग्रामीण जल संरक्षण अभियान के तहत हर इस तरह की गतिविधियों का आयोजन गांव में भी करें ताकि हर जन तक जल संरक्षण का यह संदेश पहुंचे। कार्यक्रम के कनिष्ठ अभियंता पवन कुमार ने कहा कि पेयजल व्यवस्था के रखरखाव व संचालन के लिए विभाग के साथ-साथ सामुदायिक भागीदारी निभाने की जरूरत है इसके लिए हर ग्राम पंचायत को पहल करने की जरूरत है। पानी बचाने की यह आदत हमारे दैनिक कार्यों में शामिल हो ताकि डार्क जोन इस क्षेत्र में पानी की बूंदों को बहने से रोका जा सके। उन्होंने पेयजल व्यवस्था के रखरखाव व संचालन के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि हमारे शास्त्रों में भी जल को देवता माना है। जल हमें जीवन देता है। हमें अपने जीवन को बचाना है ताकि आने वाली पीढी को हमें जल के रूप में तोहफा दे सकें। इस मौके पर खंड संसाधन संयोजक धर्मेन्द्र ने बताया कि ग्रामीण भाईचारे को बनाए रखने के लिए हमें पंचायत सत्र पर ही पानी की हर समस्या को हल करना चाहिए। लोगों की सहभागिता से ही हम सफलता हासिल कर सकते हैं। वहीं लैब अटेंडेंट विकास व उनकी टीम ने जीवाणु परीक्षण किट से जल की गुणवत्ता जांचने के तरीकों के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि पानी सीधे हमारे स्वास्थ्य से जुड़ा होने के कारण समय समय पर इसकी जांच भी आवश्यक है। ग्रामीण आजीविका मिशन से कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित मनोज कुमार ने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को जल जीवन मिशन में कार्य करने के लिए प्रेरित किया। वहीं कनीना खंड के बीआरसी मोहित ने भूमिगत जल के अत्यधिक दोहन को रोकने के लिए आह्वान किया साथ ही सरकार द्वारा भूमिगत जल को रिचार्ज करने के दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक किसान इसका लाभ उठायें। बीआरसी मोहित कुमार ने संबोधित करते हुए कहा कि पानी खून की भांति है जिसे किसी भी फैक्ट्री में तैयार नहीं किया जा सकता इसलिए हमें इस अहम विषय पर कार्य करने के लिए एकजुट होने ही सख्त जरूरत है। इस मौके पर कनीना खंड के सरपंच, ग्राम सचिव, स्वयं सहायता समूह की महिलाएं, नलकूप चालक व ग्राम पंच उपस्थित रहे।

खंड खोल में हुआ खंड स्तरीय बागवानी जागरूकता कैंप आयोजित

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

रेवाड़ी, धनेश विद्यार्थी। जिला के खंड खोल में शुक्रवार को खंड स्तरीय बागवानी जागरूकता कैम्प का आयोजन किया गया, जिसमें खंड खोल के गांव बासदूदा, ढाणी राधा, ढाणी शोभा, ढाणी कोलाना व खालेटा के किसानों ने भाग लिया। इस कैंम्प में उप निदेशक उद्यान, रोहतक डा. पिंकी यादव बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रही। उन्होंने किसानों को बागवानी फसलों के क्षेत्र विस्तार जैसे फल, फूल सब्जी व मसालों के उत्पादन हेतू नई तकनीकों के बारे में जानकारी दी ताकि किसान नई तकनीकी को अपनाकर अपनी आय दोगुनी कर सके। जिला बागवानी अधिकारी डा. मनदीप यादव ने बागवानी विभाग द्वारा फल, फूल, सब्जी, मसाले, मधुमक्खी पालन, मशरूम उत्पादन मशीनीकरण, नेट हाउस, पैक हाउस, कम लागत प्याज भंडारण, व्यक्तिगत तालाब इत्यादि पर 40 प्रतिशत से 85 प्रतिशत तक किये जाने वाले अनुदान के बारे में किसानों को बताया। विस्तार शिक्षा निदेशक सेवानिवृत डा. एचडी यादव ने किसानों को बताया कि वे किस प्रकार गोबर से केचुआ खाद, बायो गैस, कम्पोस्ट तैयार करके जमीन की उपजाऊ शक्ति बढाकर जहर मुक्त उत्पादन ले सकते है तथा प्राकृतिक खेती को बढावा दे सकते है। इनके साथ श्रीमती कुमारी गीता पूर्व जिला पार्षद व श्री राज सिंह मौजूदा सरपंच ढाणी राधा भी उपस्थित रहे, जिन्होनें बागवानी विभाग के द्वारा किसानों को जागरूकता कैम्प के माध्यम से दी जाने वाली जानकारी की सराहना की। एसएमएस मुनीमपुर (झज्जर) डॉ. हेमंत सैनी द्वारा किसानों को सब्जी पौध तैयार करने तथा सरकार द्वारा दिये जाने वाले अनुदान के बारे में जानकारी दी तथा बताया गया कि किसान किस प्रकार सेंटर से पौध तैयार करवा कर संरक्षित खेती कर सकते है तथा नेट हाउस/पोली हाउस में लगायी जाने वाली फसलों का उत्पादन बढ़ा सकते हैं। उद्यान विकास अधिकारी डॉ प्रवीण चोयल द्वारा यह भी जानकारी साझा की गई कि जिला बागवानी विभाग रेवाड़ी में 50 प्रतिशत अनुदान पर धनिया, पालक व मेथी की मिनीकिट आई हुई है। अतः सभी किसानों को सूचित किया जाता है कि जो भी किसान 50 प्रतिशत अनुदान राशि पर धनिया, पालक व मेथी की मिनीकिट लेना चाहता है वह किसान किसी भी कार्य दिवस सोमवार से शुक्रवार प्रातः 9 बजे से शाम 5 बजे तक जिला बागवानी विभाग में अपना आवेदन पत्र जमा करवा सकता है। अधिक जानकारी के लिए आप मोबाईल न0 9812340039, 9817851812 पर सम्पर्क कर सकते है।

उपभोक्ता न्यायालय और स्थाई लोक अदालत में किया गया मामलों का निपटारा

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

रेवाड़ी, धनेश विद्यार्थी। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण पंचकूला के आदेश अनुसार मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव अमित वर्मा की देखरेख में शुक्रवार को उपभोक्ता न्यायालय व स्थाई लोक अदालत में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। उपभोक्ता न्यायालय में प्रेसिडेंट एस के खंडूजा व स्थाई लोक अदालत के अध्यक्ष जगभूषण गुप्ता की उपस्थिति में मामलों का मौके पर ही आपसी सहमति से निपटारा किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत में उपभोक्ता मामले,बैंक मामले, इंश्योरेंस मामले, बिजली के मामले,व अन्य मामलों का मौके पर ही निपटारा किया गया। स्थाई लोक अदालत द्वारा 561 मामलों का निपटारा करते हुए 38,38,217 रुपए की राशी को स्वीकृत किया गया व अन्य मामलों का भी निपटारा किया गया। इसी तरह 11 मामलों का उपभोक्ता न्यायालय द्वारा भी निपटारा किया गया। स्थाई लोक अदालत के अध्यक्ष जगभूषण गुप्ता ने वादकारियो से बातचीत की और उनके मुकदमों तथा अन्य कठिनाई के बारे में जाना तथा सभी को ज्यादा से ज्यादा समय देकर उनके केसों के निपटारे के लिए भरसक प्रयास किया। उपभोक्ता न्यायालय प्रेसिडेंट एस के खंडूजा ने बताया कि लोक अदालत के माध्यम से वादों का निपटारा जल्द कराया जा सकता है तथा लोक अदालत के माध्यम से निर्मित किए गए मामलों में आगे कोई अपील/ पुनरीक्षण दायर नहीं की जा सकती, जिससे समय व धन दोनों की ही बचत होती है। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव अमित वर्मा ने बताया कि लोक अदालत के निर्णय से ना किसी की जीत ना ही किसी की हार होती है बल्कि दोनों पक्षों के साथ उचित न्याय हो जाता है। उन्होंने बताया कि लोक अदालत का निर्णय दोनों पक्षों पर बाध्यकारी व अंतिम होता है तथा लोक अदालत के निर्णय के विरुद्ध अपील नहीं की जा सकती। उन्होंने लोक अदालत में सुलह द्वारा प्राप्त निर्णय से आपसी द्वेष भावना मिटती है। सीजेएम वर्मा ने यह भी बताया कि किसी भी कानूनी सहायता के लिए नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100 पर कॉल की जा सकती है।

फिल्मों में सशक्त अभिनय के लिए याद किया जाता है अभिनेत्री स्मिता पाटिल को: संजय भसीन

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

गुडगांव। भारतीय फिल्म जगत में ऐसे अभिनेता व अभिनेत्रियां हुई हैं, जिन्होंने अपनी कला और संवादशैली से दर्शकों के दिलों पर अमिट छाप छोड़ने का काम किया है। आज भी दर्शक उनके द्वारा निभाए गए किरदारों को याद करते हैं। बालीवुड की प्रसिद्ध अभिनेत्री स्मिता पाटिल ने अपने सशक्त अभिनय से समानांतर सिनेमा के साथ-साथ व्यावसायिक सिनेमा में भी ख़ास पहचान बनाई थी। वह एक सक्रिय नारीवादी होने के अतिरिक्त मुंबई के महिला केंद्र की सदस्य भी थीं। महिलाओं के मुद्दों पर पूरी तरह से वचनबद्ध थीं। भारतीय सिनेमा में उनके अमूल्य योगदान के लिए उन्हें 2 बार राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कार और पद्मश्री से भी सम्मानित किया गया था। हरियाणा कला परिषद के पूर्व निदेशक व वरिष्ठ रंगकर्मी प्रो. संजय भसीन ने स्मिता पाटिल को उनकी पुण्यतिथि पर उन्हें याद करते हुए कहा कि स्मिता पाटिल का जन्म 17 अक्टूबर 1955 को महाराष्ट्र के पुणे में हुआ था। उनके पिता शिवाजीराय पाटिल राजनीति में सक्रिय थे। स्मिता पाटिल ने फिल्म एण्ड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ़इंडिया पुणे से स्नातक की उपाधि प्राप्त की थी। मराठी टेलीविजन में बतौर समाचार वाचिका काम किया। इसी दौरान उनकी मुलाकात जाने माने फिल्म निर्माता-निर्देशक श्याम बेनेगल से हुई और स्मिता पाटिल को चरणदास चोर नामक फिल्म में छोटी सी भूमिका निभाने का मौका मिला। इसके बाद उन्होंने निशांत, भूमिका, मंथन, सितम, गलियों का बादशाह, वारिस, डांस डांस, मिर्च मसाला, नजराना, इंसानियत के दुश्मन, कसम पैदा करने वाले की, दर्द का रिश्ता, मिर्च मसाला, नमक हलाल आदि फिल्मों में काम किया। भसीन ने कहा कि सौराष्ट्र की आज़ादी के पूर्व की पृष्ठभूमि पर बनी इस फिल्म ने निर्देशक केतन मेहता को अंतराष्ट्रीय ख्याति दिलाई। यह फिल्म सामंतवादी व्यवस्था के बीच पिसती औरत की संघर्ष की कहानी बयां करती है। यह फिल्म आज भी स्मिता पाटिल के सशक्त अभिनय के लिए याद की जाती है। उन्होंने कहा कि स्मिता पाटिल का विवाह राज बब्बर के साथ सम्पन्न हुआ था, जो स्वयं भी हिन्दी फिल्मों के प्रसिद्ध अभिनेताओं में से एक हैं। राज बब्बर भारतीय राजनीति में भी एक जाना-पहचाना नाम है। मात्र 31 वर्ष की आयु में 13 दिसंबर 1986 को उनका निधन हो गया।

सीएम अनाउंसमेंट को लेकर एडीसी ने ली अधिकारियों की बैठक

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

कनीना, अनिल शर्मा। मुख्यमंत्री की ओर से की गई घोषणाओं को लेकर आज अतिरिक्त उपायुक्त डॉ आनंद कुमार शर्मा की अध्यक्षता में उनके कार्यालय में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में उन्होंने सभी सीएम अनाउंसमेंट को जल्द से जल्द सिरे चढ़ाने के निर्देश दिए। एडीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री द्वारा विभिन्न कार्यक्रम के दौरान कई बड़े प्रोजेक्ट की घोषणा की थी। ये बहुत ही महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट हैं। ऐसे में अधिकारी इनको जल्द से जल्द सिरे चढ़ाने का कार्य करें। इस मौके पर उन्होंने सबसे पहले शहर में बनने वाले खेल स्टेडियम के लिए आसपास के

किसी गांव में जगह तलाशने के लिए जिला विकास एवं पंचायती अधिकारी को निर्देश दिए। नगर परिषद के नए भवन के संबंध में उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस भवन का कार्य जल्द से जल्द शुरू करवाया जाए ताकि आमजन को एक ही छत के नीचे सभी प्रकार की सेवाएं मिल सके। इसी प्रकार उन्होंने आईएमटी खुडाना के बारे में भी जल्द से जल्द सभी प्रकार की कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पूरी जमीन उपलब्ध होते ही यहां पर आगे की कार्रवाई शुरू की जाए। नारनौल के नवनिर्मित ट्रॉमा सेंटर बनकर तैयार हो चुका है। इसमें जो भी छोटा-मोटा कार्य बचा है उसे जल्द से जल्द पूरा करें। इसके अलावा उन्होंने कई अन्य प्रोजेक्ट की भी समीक्षा की। एडीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन सभी प्रोजेक्ट को जल्द से जल्द सिरे चढ़ाएं ताकि आमजन को इसका लाभ मिले। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जो कार्य प्रगति पर है उन कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ख्याल रखा जाए। एडीसी ने कहा कि सभी विभाग अपनी रिपोर्ट को एडीसी कार्यालय में आकर तुरंत अपडेट कराएं। इस बैठक में डीडीपीओ हरि प्रकाश बंसल तथा नगर परिषद के एक्सईएन सुंदर कुमार के अलावा अन्य विभागों के अधिकारी भी मौजूद थे।

उठो-जागो-लक्ष्य की प्राप्ति तक रूकना मत कार्यक्रम 15 दिसम्बर को

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

रेवाड़ी, धनेश विद्यार्थी। हमारा परिवार संस्था के तत्वावधान में जीवन में नव प्रेरणा लाने वाला कार्यक्रम उठो-जागो-लक्ष्य की प्राप्ति तक रूकना मत का आयोजन रविवार 15 दिसम्बर को प्रातः 7.30 बजे पंजाबी धर्मशाला पर किया जा रहा है। संस्था के संयोजक दिनेश कपूर ने बताया कि भाजपा नेता अजय पटौदा इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि होंगे। प्रमुख शिक्षाविद प्रो. सीएल सोनी विशिष्ट अतिथि तिथि रहेंगे। उक्त संस्था की ओर से प्रमुख विदूषी सुनीता शास्त्री, ओजस्वी वक्ता श्रुति आर्या, श्याम सुंदर मंडल प्रभारी हिन्दू युवा वाहिनी, अनिल पंडित उपाध्यक्ष हिन्दू युवा वाहिनी का विषेष रूप से अभिनंदन किया जायेगा। सह संयोजक परवीन ठाकुर सभी को देश भक्ति के गीतों पर एरोविक्स का आनंद दिलायेंगे। उल्लेखनीय सेवा करने वालो साथियों को विशेष रूप से सम्मानित किया जायेगा। इस कार्यक्रम की सफलता के लिए प्रधान अरूण गुप्ता, डा. बलबीर अग्रवाल, समाजसेवी राजेंद्र गेरा, महिला प्रधान निशा सीकरी, संयोजक शशि जुनेजा और मधु गुप्ता सहयोग कर रहे है।

अतिरिक्त उपायुक्त अनुपमा अंजलि ने रैन बसेरे का दौरा कर व्यवस्थाओं को जांचा

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

रेवाड़ी, धनेश विद्यार्थी। शुक्रवार को अतिरिक्त उपायुक्त अनुपमा अंजलि ने नगर के पुराने कोर्ट रोड़ स्थित पटवार भवन के पास बनाए गए रैन बसेरे में पहुंचकर वहां उपलब्ध कराई गई सुविधाओं को जायजा लिया। इस दौरान उनके साथ नगर परिषद के अधिकारी/कर्मचारी भी मौजूद रहे। एडीसी अनुपमा अंजलि ने अधिकारियों को रैन बसेरों की व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। बाद में उन्होंने बताया कि जरूरतमंद व्यक्तियों को राहत देने के लिए हरियाणा सरकार की ओर से प्रशासन ने रैन बसेरा बनाया गया है। इस निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य रैन बसेरों में ठहरने वाले जरूरतमंद व्यक्ति को दी जाने वाली सुविधाओं का आंकलन करना है। उन्होंने अधिकारियों को ये भी निर्देश दिए कि रात में यहां ठहरने वालों को किसी प्रकार की असुविधा या असुरक्षा महसूस नहीं हो। इसके साथ ही ठंड के मौसम में रैन बसेरों की देखरेख और सफाई व्यवस्था को नियमित रूप से बनाए रखा जाए।

जिला महेंद्रगढ़ में 31 मार्च तक किया जाएगा पशु गणना का कार्य

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

कनीना, अनिल शर्मा। जिला महेंद्रगढ़ में पशु गणना का कार्य आज से शुरू हो गया है। राज्य स्तर पर पशुपालन मंत्री श्याम सिंह राणा ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से राज्य में 21वीं पशु गणना का शुभारंभ किया। इस दौरान जिला के सभी अधिकारी व कर्मचारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े रहे। इस मौके पर पशुपालन उपनिदेशक डॉ चंद्रकांत सोनी ने बताया कि जिला में पशु गणना का कार्य 31 मार्च 2025 तक पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिले के 364 गांव व 85 वार्ड कमेटी व नगर परिषद में कुल 20 प्रकार के पशु एवं पक्षियों की गणना की जाएगी। उन्होंने बताया कि पशुओं में गाय, भैंस, भेड़, बकरी, कुत्ता, सूअर, ऊंट, घोड़ा, गधा, खच्चर, मुर्गी, बतख आदि की गणना की जाएगी। गांव व शहरों में घूम रहे बेसरा गोवंश व आवारा कुत्तों की भी गणना की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस गणना के साथ-साथ पशुपालक का भी ब्यौरा लिया जाएगा। जैसे पशुपालक की जाति, जमीन, शैक्षणिक योग्यता आदि शामिल है। इसमें घुमंतू जाति के पशुपालक और उनके पशुओं का ब्यौरा भी लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि पशुओं की गणना के लिए पशु चिकित्सा हरियाणा डॉ मधुसूदन को नोडल अधिकारी बनाया गया है। उन्होंने बताया कि पशु गणना का कार्य सन 1919 से शुरू हुआ था तथा यह 21वीं पशु गणना है। पशु गणना एप के माध्यम से की जाएगी। सभी परगणक घर-घर जाकर ब्यौरा एकत्रित करेंगे। उन्होंने बताया कि पशुपालकों से नाम पता के अलावा यह भी पूछा जाएगा कि पशु पालन में ज्यादा सहयोग पुरुष का है या महिला का। पशु गणना के डाटा के हिसाब से सरकार स्तर पर योजना तैयार की जाती हैं। किस क्षेत्र में किस तरह के पशुओं के लिए किस तरह की योजनाएं बनानी है, यह निर्धारित होता है तथा पशुपालन से किस तरह से किसानों की आय में वृद्धि की जा सकती है इसका निर्धारण होता है।

सन 2019 की पशु गणना के अनुसार जिला में पशुओं की संख्या।

पशुपालन उपनिदेशक डॉक्टर चंद्रकांत सोनी ने बताया कि जिला में सन 2019 की पशु गणना के अनुसार जिले में गायों की संख्या 51113, भैंस की संख्या 187201, भेंड़ की संख्या 22995, बकरियों की संख्या 45967, सूअर की संख्या 1354 है। इस प्रकार जिला में कल पशुओं की संख्या 308636 है।

समाधान शिविर के माध्यम से नागरिकों को मिल रही राहत: डीसी

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

रेवाड़ी, धनेश विद्यार्थी। प्रदेश सरकार की हिदायत अनुसार आमजन की समस्याओं के त्वरित निवारण के उद्देश्य से शुरू किए गए समाधान शिविर में डीसी अभिषेक मीणा ने शुक्रवार को लघु सचिवालय स्थित सभागार में सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक समाधान शिविर लगाकर लोगों की समस्याएं सुनी। समाधान शिविर में एडीसी अनुपमा अंजलि, सीटीएम प्रीति रावत सहित अन्य सभी संबंधित विभागों के अधिकारीगण मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर जनता की समस्याओं को जल्द से जल्द सुलझाने और प्रशासनिक समाधान प्रक्रियाओं को सरल बनाने के उद्देश्य से आयोजित किए जा रहे हैं। डीसी अभिषेक मीणा ने एक-एक कर फरियादियों को अपने समक्ष बुलाकर उनकी समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि नागरिकों को किसी प्रकार की दिक्कत नहीं होनी चाहिए। उन्होंने जनता से सीधे रूप से जुड़े विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वें नागरिकों की समस्याओं के समाधान के प्रति पूरी तरह से संवेदनशील होकर कार्य करें। सरकार के निर्देशानुसार जरूरतमंद लोगों को पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। डीसी ने समस्याओं के जल्द समाधान के लिए सम्बंधित विभाग के अधिकारियों को

निर्देश दिए। वहीं दूसरी ओर समाधान शिविर में पहुंचे लोगों ने कहा कि सभी अधिकारी एक जगह पर मिलने से उन्हें काफी राहत मिली है, अब उन्हें एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ते। बता दें कि जिला मुख्यालय के साथ उपमंडल स्तर पर भी संबंधित एसडीएम द्वारा आमजन की समस्याओं की सुनवाई की जा रही है। डीसी अभिषेक मीणा द्वारा समाधान शिविर में अपनी समस्या को लेकर पहुंचे आमजनों की कई समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया गया तथा शेष बची शिकायतों के समाधान के लिए सम्बंधित विभागों को निर्देश दिए। समाधान शिविर के माध्यम से लोगों की प्रमुख समस्याओं का निपटारा किया जा रहा है।

अपने सामाजिक दायित्वों का बेहतर ढंग से निर्वहन करें कॉर्पोरेट सेक्टर: लक्ष्मण यादव

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

रेवाड़ी, धनेश विद्यार्थी। रेवाड़ी के विधायक लक्ष्मण सिंह यादव आह्वान किया कि जिला में स्थित औद्योगिक इकाईयां कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व का निर्वहन बेहतर ढंग से करते हुए रेवाड़ी शहर के सौंदर्यकरण सहित सड़क सुरक्षा व शहर को जाम मुक्त बनाने में सहयोग करें। विधायक लक्ष्मण सिंह यादव शुक्रवार को लोकनिर्माण विश्राम गृह स्थित सभागार में सीएसआर के तहत जिला की औद्योगिक इकाईयों के प्रतिनिधियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कॉरपोरेट कंपनी प्रतिनिधियों का दायित्व बनता है कि शहर के सौंदर्यकरण के पुनीत अभियान में सीएसआर फंड के माध्यम से अपना दायित्व निभाएं। उन्होंने कंपनियों के प्रतिनिधियों से आह्वान किया कि वे पार्कों व चौराहों को गोद लेकर उनका सौंदर्यीकरण व संरक्षण करने में सहभागी बने। उन्होंने कहा कि सीएसआर के

तहत जिले में काम कर रहे कंपनी प्रतिनिधियों को निर्धारित लक्ष्यों को समय पर पूरा करना सुनिश्चित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सीएसआर में पर्यावरण, नैतिक, परोपकारी और वित्तीय जिम्मेदारियां शामिल हैं। उन्होंने कहा कि रेवाड़ी शहर में जिला प्रशासन के सहयोग से प्रत्येक शनिवार को रेवाड़ी सफाई अभियान चलाकर शहर की सड़कों और चौराहों की सफाई की जाती है। कंपनी प्रतिनिधियों को चाहिए कि वे इस मुहिम में सहभागी बनते हुए शहर का सौंदर्यकरण करने में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि समाज सेवा सर्वोपरि है, जिसका सभी को निर्वहन करना चाहिए।

डीसी अभिषेक मीणा ने इस बैठक में विधायक लक्ष्मण सिंह यादव का स्वागत करते हुए कहा कि सीएसआर सामाजिक उत्तरदायित्वों का निर्वहन करने को सशक्त माध्यम है तथा कॉरपोरेट सेक्टर का इस कार्य में विशेष रूचि लेते हुए आगे आना चाहिए। बैठक में एडीसी अनुपमा अंजलि, एसडीएम रेवाड़ी सुरेंद्र सिंह, एसडीएम बावल उदय सिंह, सीईओ डीआरडीए विकास यादव, रिपुदमन गुप्ता, जिला स्वच्छता अभियान की ब्रांड एंबेसडर प्रियंका यादव सहित विभिन्न कंपनी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

क्वालिटी से समझौता बर्दाश्त नहीं, अगर कहीं मिली लापरवाही तो कार्रवाई तय: रणबीर गंगवा

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

बरवाला, कुलदीप सोनी। सरकार विकास के साथ साथ काम की क्वालिटी पर फोकस किए हुए हैं, विकास कार्यों से सम्बंधित काम की क्वॉलिटी ऐसी होनी चाहिए, जिसकी किसी प्रकार की शिकायत न आये। यह सब सुनिश्चित करना विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की जिम्मेवारी है। यह बात हरियाणा के लोक निर्माण एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने बरवाला के नवनिर्मित पीडब्ल्यूडी के रेस्ट हाउस में जिला के लोक निर्माण तथा जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों की बैठक लेते हुए कही। दोनों विभागों की बैठक कैबिनेट मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने अलग-अलग ली। उन्होंने दोनों ही विभाग के अधिकारियों को साफ निर्देश दिए कि कोई ठेकेदार या एजेंसी की तरफ से अगर काम में कोताही बरतते हुए किसी भी प्रकार से गुणवत्ता से समझौता किया जाता है, तो उन पर कार्रवाई करे। कैबिनेट मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने दोनों विभागों के अधिकारियों को सामंजस्य बना कर काम करने को भी कहा। उन्होंने कहा कि कई बार जनता से शिकायत आती है कि सीवरेज डालने के लिए कुछ दिन पहले बनी सडक़ तक उखाड़ दी जाती है, ऐसा ना किया जाए। पहले से सब सुनिश्चित कर लें कि कहां किस हिसाब से जरूरत है, उसके बाद प्लानिंग से काम करें।

श्री गंगवा ने कहा कि दूरगामी सोच और जनता के हित को ध्यान में रखते हुए प्लानिंग करके प्रोजेक्ट बनाये।

बरवाला को मिला पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस

कैबिनेट मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने बरवाला को पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस की सौगात दी है। करीबन साढ़े 8 करोड़ रुपये की लागत से बने रेस्ट हाउस में कांफ्रेंस रूम, 5 बड़े रूम के साथ साथ एक सीएम सूट और 2 वीआईपी रूम के इंतजाम है। इनके अलावा डाइनिंग रूम और किचन भी बनाया गया है।

हांसी रोड को फोरलेन करने के लिए हुए विचार

बरवाला के विकास कार्यों का रिव्यू करते हुए कैबिनेट मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने

इस बीच अधिकारियों को बरवाला-हांसी रोड़ तथा बरवाला बनभौरी रोड को फोर लाइन करवाने के लिए कदम उठाने की बात कहीं। बरवाला-हांसी रोड एनएचएआई के अंतर्गत है ऐसे में उनसे संपर्क साधने के निर्देश मंत्री ने दिए है। मंत्री ने तर्क दिया कि ऐसा हो जाने पर बरवाला से दिल्ली का सफर सुगम हो जाएगा। वहीं, इस दौरान बरवाला-अग्रोहा रोड पर बने रेलवे फाटक पर ओवर ब्रिज बनाने को लेकर अब तक हुई कार्रवाई पर भी चर्चा हुई। बरवाला के टोहाना रोड एंट्री और हिसार रोड एंट्री पर सौन्दर्यकरण के साथ साथ शहर में बन रहे रोड पर पेंडिंग रहे काम को भी जल्द पूरा करने के मंत्री द्वारा निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान दोनों विभाग के अधिकारियों ने अब तक शहर में चल रहे विकास कार्यों का ब्यौरा भी मंत्री श्री रणबीर गंगवा के समक्ष रखा और भविष्य में बनाये जाने वाले प्रोजेक्ट पर भी चर्चा की। इसमें मुख्य बिंदु पानी निकासी की व्यवस्था को लेकर पुख्ता इंतजाम बरवाला के लिए किए जाने पर फोकस किया गया।

सप्ताह में दो दिन बरवाला में होंगे कैबिनेट मंत्री

कैबिनेट मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने ऐलान किया है कि अब सप्ताह में दो दिन वो बरवाला में जनता की समस्याएं सुना करेंगे। गंगवा ने कहा कि हल्के में कोई समस्या न रहे, इसके लिए वो लगातार प्रयास कर रहे है। सोमवार और शनिवार को वो बरवाला के पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में वो आमजन की समस्याएं सुनेंगे। पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस के उद्घाटन कार्यक्रम में आये क्षेत्र के लोगों को सम्बोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री ने कहा कि वो शुरू से ही कहते आये है कि जनता की समस्याओ को प्राथमिकता के आधार पर निपटना उनका लक्ष्य है। इसी कड़ी में अब बरवाला हल्के के लिए उन्होंने 2 दिन तय कर दिए है। बता दें कि आज भी मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने आमजन की समस्याएं सुनते हुए, सम्बन्धित अधिकारियों को समस्याओं के निदान के निर्देश दिए।

सडक़ के लिए ड्रेन जरूर बने और जेई सुनिश्चित करे कि पेयजल साफ हो

कैबिनेट मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने दोनों विभागों को खास निर्देश दिए है। उन्होंने पहली बैठक पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों की ली। मंत्री ने कहा कि सडक़ के निर्माण के वक्त ड्रेनेज पर खास तौर पर ध्यान दें, सडक़ ऐसी बनाई जाए कि बारिश पानी जल्द से जल्द निकल जाए, पानी का जल्द डिस्पोज ऑफ हो जाये। वहीं, जनस्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए गए कि पेयजलापूर्ति करने वाले इस बात पर फोकस रखे कि किसी भी घर में गंदे पानी या सीवरेज मिक्स पानी की सप्लाई की समस्या ना हो। स्वच्छ जल हर घर को मिले, इसे लेकर विभाग जेई की ड्यूटी लगाये। बारिश से पहले सीवरेज साफ सफाई का कार्य हो जाये, ऐसे ही विभाग के एरिया के जेई और एसडीओ फोकस रखें कि उनके एरिया में जलघर के टैंक में पानी कितना है, कमीं है तो उसे ठीक करे। जलघर की साफ सफाई और उसकी टूटी चारदीवारी को ठीक करने तथा सौन्दर्यकरण पर भी फोकस करने के निर्देश दिए। इसके उपरांत बरवाला की नगर पालिका की हाउस बैठक में भी भाग लिया।

आगामी 14 दिसंबर को आयोजित होगी इस वर्ष की चतुर्थ राष्ट्रीय लोक अदालतः सीजेएम नेहा गुप्ता

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

नूंह, अभयसिंह सैनी। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की सचिव नेहा गुप्ता ने बताया कि आगामी 14 दिसंबर 2024 को इस वर्ष की चतुर्थ राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन जिलास्तर के साथ-साथ उपमंडल स्तर पर स्थित अदालतों में भी किया जाएगा। सीजेएम नेहा गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि 14 दिसंबर दिन शनिवार को आयोजित होने वाली इस राष्ट्रीय लोक अदालत में मनी रिकवरी केस, लेबर डिस्प्यूट, बिजली व पानी बिल के संबंधी मामले, आपराधिक, वैवाहिक, दुर्घटना संबंधी, रखरखाव संबंधी, भूमि अधिग्रहण मामले तथा अन्य दावे संबंधी और अदालत में लंबित अधिक से अधिक केसों का निपटान करने का पूरा प्रयास किया जाएगा। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत के आयोजन का मुख्य ध्येय यही है कि अधिक से अधिक केसों का निपटान आपसी सहमति के आधार पर किया जा सके।

नूंह में की 30 वर्षीय युवक की हत्या

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

नूंह। मेवात के नूंह मे लिव -इन- रिलेशन में रह रहे एक 30 वर्षीय युवक असफ्फ की हत्या कर शव पानी के कुंडे में फेंक दिया। मृतक के स्वजन ने हत्या का आरोप लीव-इन-रिलेशन में रह रही महिला पर लगाया है। असफ्फ पांच वर्ष से नूंह में एक किराये के मकान में रह रहा था। मृतक का शव बुधवार देर रात को मकान के समीप बने पानी कुंडे में मिला। मृतक के स्वजन को मामले की सूचना बृहस्पतिवार सुबह मिली। सूचना पर नूंह पहुंचे स्वजन ने पुलिस शिकायत में लीव-इन -रिलेशन में रह रही महिला व अन्य पर आरोप लगाया है। वहीं पुलिस ने महिला व अन्य के विरुद्ध हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। शुक्रवार को पुलिस ने मृतक के शव का मेडिकल परीक्षण डाक्टरों के बोर्ड से कराकर शव स्वजन को सौंप दिया।

बावल नगर पालिका ने चलाया अतिक्रमण हटाओ अभियान

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

रेवाड़ी, धनेश विद्यार्थी। बावल शहर की बड़ी समस्या अतिक्रमण को हटाने के लिए शुक्रवार को बावल नगर पालिका की ओर से विशेष मुहिम चलाई गई। नगर पालिका अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह महलावत और पालिका का स्टाफ ने मुख्य बाजार में यह मुहिम चलाई। इस शहर में अतिक्रमण की वजह से आम लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। अतिक्रमण की समस्या की वजह से शहर में आएदिन जाम जैसे हालात बने रहते थे, इसी को देखते हुए यह मुहिम चलाई गई। शुक्रवार को इस मुहिम के तहत पालिका के दस्ते ने जहां सड़क के बीच लगी रेहड़ियों को हटवाया वहीं दुकानों के बाहर सड़क पर निर्धारित सीमा से आगे रखे सामान को हटाने की कार्यवाही अमल में लाई। इस संबंध में बावल नगर पालिका के सचिव पद का अतिरिक्त पदभार संभाल रहे प्रवीण कुमार ने कहा कि पालिका जनहित में समय समय पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करती रहती है और आज भी बावल में अतिक्रमण हटाने की मुहिम चलाई गई है और अगर जरूरत पड़ी तो आगे भी कार्रवाई की जाती रहेगी। मजबूरी में हमें ऐसी कार्यवाही करनी पड़ती है। उन्होंने दुकानदारों और रेहड़ी वालों से सड़क पर अतिक्रमण नहीं करने और निर्धारित सीमा से आगे अपना सामान नहीं रखने की अपील की है। उन्होंने शहर की स्ट्रीट लाइट और कुछ अन्य समस्याओं को भी सरकार की हिदायत अनुसार हल करने की बात कही। उन्होंने बताया कि बेसहारा पशु पकड़ने का काम शनिवार से शुरू हो जाएगा। अब आपको ऐसे पशु नजर नहीं आएंगे। ऐसे पशुओं को पकड़कर धारूहेड़ा की गौशाला में भिजवा दिया जाएगा। शहर में तिरंगा लाइट जल्द लगवाई जाएगी। स्ट्रीट लाइट को लेकर उन्होंने कहा कि यह मामला अब मेरे संज्ञान में आया है और मैं जल्द इस बारे में कार्यवाही करूंगा। देर शाम तक इस मुहिम के तहत कटे गए चालान और कुल जुर्माना राशि की जानकारी नहीं मिल पाई है।

भारतीय संसद पर हुए आतंकी हमले में शहीद हुए जवानों को दी श्रद्धांजलि

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

गुडगांव। वर्ष 2001 को 13 दिसम्बर को भारतीय संसद पर हुए आतंकी हमले में सीआरपीएफ और दिल्ली पुलिस के जवान शहीद हुए थे। हमले की बरसी पर शहीद हुए जवानों को याद करने का सिलसिला शुक्रवार को साइबर सिटी के विभिन्न क्षेत्रों में जारी रहा। सामाजिक संस्था डा. राजेंद्र प्रसाद फाउंडेशन द्वारा राम विहार क्षेत्र स्थित एक स्कूल में कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, शिक्षक-शिक्षिकाएं व गणमान्य व्यक्ति शामिल रहे और शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। संस्था के अध्यक्ष राजेश पटेल ने कहा कि 13 दिसम्बर 2001 को लोकसभा का शीतकालीन सत्र चल रहा था। एक कार में सवार आतंकी संसद परिसर में घुस आए और आनन-फानन में गोलियां बरसानी शुरू कर दी थी। संसद की सुरक्षा में तैनात जवान इस हमले में शहीद हो गए थे। हमले के साजिशकर्ता के रुप में आतंकी अफ्जल गुरु की पहचान हुई। जब यह घटना घटित हुई, उस समय तत्कालीन केंद्रीय गृह मंत्री लाल कृष्ण आडवाणी, अनेक सांसद संसद में थे। उन्होंने देशवासियों से आग्रह किया कि इन शहीदों की शहादत को कभी भुलाया नहीं जाना चाहिए। इन्हीं की बदौलत ही देश अमन-चैन की सांस ले रहा है, सभी सुरक्षित हैं। श्रद्धा सुमन अर्पित करने वालों में शामि आलम, पूजा, गीता, पूनम, नंदनी, अन्नु, कुनाल, आदित्य, हिमांशु, शिल्पी, निशा, सोनिया, कृत्तिका, पलक, पूनम, अभिलाषा, अंजली, राहुल, गौरव, मुस्कान, सोनाली, आकांक्षा, खुशी, आरती, ईशा, नेहा, पलक, अंशु, रौशनतारा, ज्योति, रितेश कुमार आदि शामिल रहे।

साहित्यकार इलाचंद्र जोशी को उनकी जयंती पर किया याद

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

गुडगांव। साहित्यकार इलाचन्द्र जोशी को हिन्दी में मनोवैज्ञानिक उपन्यासों का आरंभकर्ता माना जाता है। उन्होंने अधिकांश साहित्यकारों की तरह अपनी साहित्यिक यात्रा काव्य-रचना से ही आरम्भ की थी। अपनी रचनाओं में उन्होंने पर्वतीय-जीवन विशेषकर वनस्पतियों, पर्वत-शिखरों, जलप्रपातों, घाटियों, झीलों और नदियों आदि को शामिल किया। साहित्यकारों ने इलाचंद्र जोशी को उनकी जयंती पर याद करते हुए कहा कि उनका जन्म उत्तराखंड के अल्मोड़ा में 13 दिसम्बर 1903 को हुआ था। वह बाल्यकाल से ही प्रतिभा के धनी थे। अध्ययन में रुचि रखन वाले इलाचंद्र जोशी ने छोटी उम्र में ही भारतीय महाकाव्यों के साथ-साथ विदेश के प्रमुख कवियों और उपन्यासकारों की रचनाओं का अध्ययन कर लिया था। औपचारिक शिक्षा में रुचि न होने के कारण उनकी स्कूली शिक्षा मैट्रिक के आगे नहीं हो सकी, परन्तु स्वाध्याय से ही इन्होंने अनेक भाषाएँ सीखीं। उनका कहना है कि उनके उपन्यासों का आधार मनोवैज्ञानिक यथार्थवाद की संज्ञा पाता है। उन्होंने पाश्चात्य लेखकों को भी बहुत पढ़ा था, पर रूसी उपन्यासकारों-टॉल्सटॉय और दॉस्तोयवस्की का प्रभाव अधिक लक्षित होता है। उपन्यास के अतिरिक्त उन्होंने हिन्दी साहित्य की अन्य विधाओं में भी योगदान दिया है। उन्होंने कहानी धूपरेखा, आहुति और खंडहर की आत्माएं, जीवनी रवीन्द्रनाथ, शरद व्यक्ति और साहित्यकार, जीवन का महान विश्लेषक विराटवादी कवि गेटे, आलोचनात्मक ग्रन्थों में साहित्य सर्जन, साहित्य चिन्तन व विश्लेषण तथा उपन्यासों में कोलकाता समाचार, चाँद, विश्ववाणी, सुधा, सम्मेलन पत्रिका, संगम, धर्मयुद्ध, और साहित्यकार आदि संपादित किए। बाल-साहित्य में भी उनका उल्लेखनीय योगदान दिया।

शीत लहर व पाले से बचने के लिए एडवाइजरी की अनुपालना सुनिश्चित हो- उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा

- जिलावासी जरूरी एहतियात बरतें, हर समय गर्म कपड़े पहनें तथा बाहर न सोएं
- पशुओं व जीव-जंतुओं का भी रखें ध्यान

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

नूंह, अभयसिंह सैनी। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने बताया कि हरियाणा राज्य राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से जारी शीत लहर व पाले के मद्देनजर एडवाइजरी जारी की है कि जिलावासी ठंड से बचाव करने के लिए पूरी एहतियात बरतें। मीडिया से मौसम की जानकारी लेते रहें और बुजुर्ग व बच्चों का विशेषकर ध्यान रखें। रात्रि के समय बुजुर्गों व बच्चों को बाहर न निकलने दें। अगर आसपास कोई पड़ोसी जो अकेला रहता है, विशेषकर बुजुर्ग, उनका हाल-चाल जरूर पूछते रहें। साथ ही यह भी सुनिश्चित करें कि आपातकालीन आपूर्ति आसानी से उपलब्ध रहे। हरसमय गर्म व ऊनी कपड़े जरूर पहनें। सिर को ढ़ककर रखे व गर्म पानी नियमित रुप से लेते रहें। उपायुक्त ने जिला नूंह के सभी विभागों को निर्देश दिए हैं कि संबंधित विभाग ठंड से बचाव के लिए अपने-अपने विभाग के संबंधित कार्यों व जिम्मेवारियों को पूरा करते रहें तथा अपने अधीनस्थ क्षेत्र में जीव-जंतुओं, पशुओं व लोगों के लिए ठंड से बचने संबंधी व्यवस्था पूर्ण करें। इस मौसम में हर वर्ष रैन बसेरे आदि चालू किए जाते हैं, उनका पहले की स्थिति के अनुरूप संचालन सुनिश्चित करें। कोई भी व्यक्ति चाहे वह बेघर हो या अन्य, खुले में न सोएं। इस उद्देश्य के लिए वरिष्ठ अधिकारी शहरों, कस्बों, खासकर बस स्टैंड, अस्पताल आदि का निरीक्षण करते रहें। उपायुक्त ने सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं का भी आह्वान किया है कि वे गरीबों और जरूरतमंदों, विशेष रूप से बेघर व्यक्तियों के लिए कंबल, ऊनी कपड़े, जूते, मोजे आदि का प्रबंधन करें। लोगों के साथ-साथ पशुओं का भी ख्याल रखा जाए। शीत लहर के दौरान जिला में फसलों, बागवानी, जंगल, पशुधन, मत्स्य पालन, जल आपूर्ति, बिजली आपूर्ति, परिवहन, पर्यटन, अर्थव्यवस्था और आजीविका भी प्रभावित हो सकती है। शीत लहर के कारण घरेलू और जंगली जानवरों, पक्षियों, मुर्गियों आदि की मृत्यु होने की संभावना बढ़ जाती है तथा बाहरी श्रमिकों, किसानों और पशुओं के लिए उचित योजना और पर्याप्त आश्रयों से ऐसी स्थितियों से बचा जा सकता है। स्वास्थ्य, पशुपालन, कृषि, बागवानी, विकास एवं पंचायत व राजस्व विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों की एडवाइजरी का अनुसरण अवश्य करें।

हड्डी रोग विशेषज्ञ बनेंगे डॉ अश्विनी एमएस ऑर्थोपेडिक्स में हुआ चयन

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

रेवाड़ी, धनेश कुमार विद्यार्थी। मूल रूप से ढाणी शोभा निवासी पशु प्रेमी डा. बीर सिंह के पुत्र डॉ अश्विनी का नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंसेस द्वारा आयोजित पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल एडमिशन एंट्रेंस एग्जाम (नीट - पीजी) का हाल ही में घोषित परिणामों में यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज, दिल्ली में एमएस-ऑर्थोपेडिक्स में दाखिला हुआ है। डाइट हुसैनपुर रेवाड़ी में वरिष्ठ प्राध्यापक पद पर कार्यरत डॉ बीर सिंह ने बताया कि मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली से एमबीबीएस पास करने के बाद उनके बेटे अश्वनी का हड्डी रोग विशेषज्ञ बनने का सपना था, जो अब साकार हो गया। इनकी मां श्रीमती रचना राव पंजाब नेशनल बैंक में मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं तथा बड़ी बेटी डॉ अर्चिता प्रकाश ऑर्थोडॉन्टिस से पीजी कर रही है जबकि दामाद गौरव यादव मिनिस्ट्री में असिस्टेंट सेक्शन ऑफिसर के पद पर कार्यरत है। डॉ अश्विनी अपनी सफलता का श्रेय दादा कप्तान अमर सिंह, जो आर्मी मेडिकल कोर (भारतीय सेना) से सेवानिवृत हैं तथा दादी श्रीमती भगवानी देवी ग्रहणी है, को दिया है। इस उपलब्धि पर पारिवारिक रिश्तेदारों के साथ - साथ मुख्यरूप से अविशा, ममता यादव सदस्य एचपीएससी, राव सुरेंद्र सिंह, डॉ यशपाल, डॉ बिरेंद्र सिंह हड्डी रोग विशेषज्ञ, एडवोकेट अमरजीत यादव, विवेक यादव, सुरेश यादव, गुगन सिंह सतीश मुद्गल सरपंच नीमराना, सूर्यदेव, हेमंत कुमार एपीसी, श्रीमती कैलाश यादव पूर्व प्राचार्या, श्रीमती संगीता यादव पूर्व ज्वाइंट डायरेक्टर, प्राचार्य डाइट व स्टाफ अध्यापकों, प्राध्यापकों, विद्यालय मुखियाओं, शिक्षा विभाग के अधिकारियों तथा शहर व समाज के गणमान्य व्यक्तियों ने बधाई दी।

आठ माह से दो सौ से अधिक लोग गंदा पानी पीने के लिए हैं मजबूर

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

कनीना, अनिल शर्मा। कनीना नगर के वार्ड नंबर चार और 10 में पिछले आठ महीने से लोग गंदा पानी पीने के लिए मजबूर हैं। पाइप लाइन से गंदे पानी की आपूर्ति हो रही है। आसपास के मोहल्लों में लगे हुए नल से पीला पानी आ रहा है। दो सौ से अधिक घरों के लोग पानी के लिए परेशान हैं। शहर का यह इलाका मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में शामिल हैं। इलाके में वर्षों पुरानी जर्जर पाइप लाइन से जलापूर्ति हो रही है। लीकेज के कारण घरों में गंदे पानी की सप्लाई हो रही है। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि पिछले आठ महीनों से नलों में गंदा पानी आ रहा है। पानी के टैंकर की भी कोई व्यवस्था नहीं है। वार्ड के राकेश, वेद प्रकाश, मनीष, योगेश, हर्षित, राहुल ने बताया कि पानी की किल्लत के चलते रोजमर्रा के काम प्रभावित हो रहे हैं। पानी के इंतजाम में लोगों के काम धंधे भी प्रभावित हो रहे हैं।

इन वार्डो में सबसे अधिक समस्या

वार्ड नंबर 4 के चांदनी चौक मोहला, आर्य समाज मोहल्ला, वार्ड नंबर 10 में सबसे अधिक समस्या हैं। पानी कुई से भरकर ला रहे है। समस्या के बारे में अनेकों बार अधिकारियों को अवगत करवाया जा चुका हैं।

बोले अधिकारी

वार्ड नंबर 4 और वार्ड नंबर 10 में पीने के पानी में पीलापन आने की सूचना मिली है। जल्द ही समस्या का समाधान कराया जाएगा।

राजीव कुमार

एसडीएम जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग कनीना

समाधान शिविर व पोर्टल पर आई शिकायतों का करें उचित समाधान- उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा

- उपायुक्त ने की विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतों पर की गई कार्यवाही की समीक्षा

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

नूंह, अभयसिंह सैनी। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि समाधान शिविर, जनसंवाद पोर्टल, एसएमजीटी व सीपीग्राम पोर्टल तथा सीएम विंडो से संबंधित शिकायतों का जल्द व उचित समाधान सुनिश्चित किया जाए तथा इन पोर्टल पर शिकायतें अधिक दिन तक लंबित न रखी जाएं और तय समयसीमा में ही समस्याओं पर उचित कार्यवाही कर शिकायतकर्ता को संतुष्ट्ठ किया जाए, ताकि सरकार की सुशासन की पहुंच को आमजन भी महसूस कर सके। उपायुक्त शुक्रवार को लघु सचिवालय के सभागार में जन शिकायतों के समाधान से संबंधित विभिन्न पोर्टल पर आई शिकायतों पर संबंधित विभाग द्वारा की गई कार्यवाही की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कई विभागों की शिकायतें लंबे समय से लंबित हैं, ऐसी शिकायतों पर यथाशीघ्र कार्यवाही की जाए। इन शिकायतों पर की गई कार्यवाही के संबंध में वे जल्द ही पुनरू समीक्षा बैठक करेंगे, तब तक पोर्टल पर मौजूद शिकायतों की संख्या में कमी आनी चाहिए। उपायुक्त ने अधिकारियों से कहा कि सभी शिकायतों का समयबद्ध और प्रभावी तरीके से समाधान किया जाए ताकि जनता का सरकार की सुशासन की नीति के प्रति विश्वास और अधिक बढ़े। किसी शिकायत के समाधान में कोई समस्या है या फिर मामला मुख्यालय से संबंधित है तो उसका पूर्ण विवरण उनके समक्ष रखा जाए, ताकि ऐसे मामलों का निपटारा मुख्यालय से परामर्श प्राप्त कर किया जा सके। उपायुक्त ने कहा कि सीएम विंडो से संबंधित शिकायतों पर भी विभाग गंभीरता से कार्य करें। अगर किसी मामले में कोई जांच करवाई जानी है, तो संबंधित ऑथारिटी से जांच करवाकर मामले एटीआर पोर्टल पर अपलोड की जाए तथा सीएम विंडो से शिकायतें हट सकें। बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त प्रदीप सिंह मलिक, सीईओ जिला परिषद अमित कुमार गुलिया, एसडीएम नूंह प्रदीप अहलावत, सीटीएम अशोक कुमार, एएसपी सोनाक्षी सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

फर्स्ट एड का ज्ञान घायल को देता है जीवनदानः डीसी

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

नूंह, अभयसिंह सैनी। उपायुक्त एवं अध्यक्ष जिला रैड क्रॉस सोसाइटी नूंह विश्राम कुमार मीणा के कुशल मार्गदर्शन एवं सचिव महेश गुप्ता की देखरेख में जिला रैड क्रॉस सोसाइटी निरंतर मानवहित में जीवनदायनी जागरूकता सेमिनारों का आयोजन संचालित कर रही है। इसी कड़ी में आज शुक्रवार को सडक़ सुरक्षा - जीवन रक्षा एवम फर्स्ट एड ज्ञान देता है जीवन दान विषयों पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन रैड क्रॉस भवन नूह में किया गया जिसमे जिले के विभिन्न गांवों के 70 युवाओं ने भाग लिया। जिला रैड क्रॉस सोसाइटी नूंह के जिला प्रशिक्षण अधिकारी महेश मलिक ने कार्यशाला के दौरान मोटर वाहन संशोधन विधेयक- 2019 की विस्तृत जानकारी दी। जिनमें मुख्यतरू शराब पीकर या किसी भी प्रकार का मादक पदार्थ लेकर वाहन ना चलाने, नाबालिग से वाहन ना चलवाने, वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग न करने, आपातकाल वाहन को तुरंत रास्ता देने, आपातकाल नम्बरों के बारे जागरूक किया। उन्होंने बताया कि वाहन चलाते समय चालक के साथ बैठी सवारी को भी हेलमेट, सीट बेल्ट का इस्तेमाल करना चाहिए। आगामी समय में धुंध के दौरान वाहन निर्धारित लेन में लो-हाई बीम का इस्तेमाल करते हुए चलाएं तथा ओवरस्पीड, ओवरलोड वाहन बिलकुल न चलाएं। किसी भी दुर्घटना के दौरान घायल को मौके पर एंबुलेंस पहुंचने या अस्पताल पहुंचने तक उपयुक्त प्राथमिक सहायता, हार्ट अटैक, सिक्का निगलना, आगजनी के दौरान धुआं होने, बिजली का करंट लगने, पानी में डूबने, शरीर से बहुत खून बहने की स्तिथी में पीड़ित को ट्रांसपोर्ट करने, हार्ट के कार्य न करने तथा सांस न आने की अवस्था में जीवनदायिनी विधि सी.पी.आर. का प्रयोगात्मक तरीका समझाया। अंत में सभी को सडक़ सुरक्षा नियमों की पालना हेतु शपथ दिलाई गई। इस कार्यशाला के सफल आयोजन में लिपिक नरेश कुमार, फर्स्ट एड कोऑर्डिनेटर नितिन वर्मा आदि का काफी योगदान रहा।

मौजूदा सोसायटियों को नई पंजीकरण संख्या प्राप्त करने के लिए करना होगा ऑनलाइन आवेदन

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

हिसार, कुलदीप सोनी। अतिरिक्त उपायुक्त सी. जयाश्रद्धा ने जानकारी देते हुए बताया कि सोसायटी पंजीकरण अधिनियम 1860 के तहत मौजूदा सोसायटियों द्वारा नई पंजीकरण संख्या प्राप्त करने के लिए ऑनलाइन आवेदन करना आवश्यक है। अतिरिक्त उपायुक्त सी. जयाश्रद्धा ने बताया कि एचआरआरएस नियम-2012 में संशोधन के अनुसार, नए पंजीकरण नंबर प्राप्त करने के लिए सोसायटियों के पुनः पंजीकरण की समय सीमा बढ़ा दी गई हैं। इसमें जो सोसायटी अधिनियम-1860 के अनुसार पंजीकृत हो चुकी थी और एचआरआरएस अधिनियम 2012 में नवीनीकृत/पुनः पंजीकृत नहीं हुई हैं। तत्काल में जारी अधिसूचना के अनुसार जिन सोसायटियों ने अब तक पुनः पंजीकरण नहीं कराया है, उन्हें अब हरियाणा पंजीकरण और सोसायटी विनियमन अधिनियम-2012 की धारा 9 (4) के तहत पुनः पंजीकरण संख्या/संशोधित प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए पोर्टल पर आवेदन करना होगा।

हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह आज गुरूग्राम में 3 स्थानों पर सुनेंगे जनसमस्याएं

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

गुरूग्राम, मोहित सैनी। हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य, पर्यावरण, वन एवं वन्य जीव मंत्री राव नरबीर सिंह शनिवार 14 दिसंबर को गुरूग्राम में 3 स्थानों पर आम नागरिकों की समस्याएं सुनेंगे। प्राप्त दौरा कार्यक्रम के अनुसार कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह शनिवार की दोपहर 3.30 बजे सेक्टर 47 स्थित बिग पार्क नजदीक एयरपोर्ट अपार्टमेंट, शाम 4.30 बजे बीएसएनएल पार्क मालिबू टाउन व शाम 5.30 बजे सेक्टर 51 स्थित ब्लूमस -2 में आम नागरिकों की जनसमस्याएं सुनेंगे और मौके पर ही अधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी करेंगे। इस अवसर पर उनके साथ विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहेंगे।

स्कूलों में फिर होगा शिक्षा-दीक्षा पर्यवेक्षण - जिला शिक्षा अधिकारी परमजीत चहल

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

नूंह, अभयसिंह सैनी। जिला शिक्षा अधिकारी परमजीत चहल ने बताया कि अर्ली चाइल्डहुड केयर एंड एजुकेशन (ईसीसीई) व फाउंडेशन लिटरेसी एंड न्यूमरेसी (एफएलएन) के क्रियान्वयन की प्रगति का अवलोकन करने के लिए अधिकारी स्कूलों का निरीक्षण करना सुनिश्चित करेंगे। इसके लिए हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद ने जिला परियोजना समन्वयक को निर्देश दिए हैं कि स्कूलों के शिक्षा-दीक्षा पर्यवेक्षण के लिए विभाग की तरफसे एकेडमिक मॉनिटरिंग की व्यवस्था की गई है, जिसमें विभाग के अधिकारी पर्यवेक्षण के लिए स्कूलों में जाते हैं। इसकी अनुपालना में शिक्षा-दीक्षा पर्यवेक्षण आरंभ किया गया है ताकि एफएलएन व ईसीसीई के तहत बाल वाटिका जैसे प्रोजेक्ट की प्रगति में सहायता मिल सके। इसके अतिरिक्त विद्यालयों में दी गई विभिन्न ग्रांट, सिविल वर्क, अध्यापकों की उपस्थिति व मध्याहन भोजन योजना का भी पर्यवेक्षण किया जा सके। जिला एफएलएन कोऑर्डिनेटर कुसुम मलिक ने बताया कि सरकारी स्कूलों व प्राथमिक स्कूलों में शिक्षा-दीक्षा पर्यवेक्षण किए जाएंगे। इस पर्यवेक्षण के लिए विभाग की तरफसे टेंपलेट टूल बनाया जा रहा है। दिसंबर माह से ही पर्यवेक्षण शुरू किया जाएगा। वहीं निपुण हरियाणा के तहत करवाए जा रहे कार्यक्रम जैसे स्किल पासबुक,अध्यापक प्रशिक्षण, टीएलई, टीएलएम का उपयोग, संपर्कशाला, प्रारंभिक शिक्षा कार्यक्रम बालवाटिका पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। लंबे समय से चल रहे गैरहाजिर या ड्रॉपआउट विद्यार्थियों की संख्या को भी इसमें शामिल किया जाएगा। निपुण तथा गैर निपुण विद्यार्थियों को देखा जाए। इससे पर्यवेक्षण करने वाले अधिकारियों को बहुत जानकारियां प्राप्त होंगी, जो योजना निर्माण व प्रबंधन आदि में सहायक होंगी। पर्यवेक्षण के दौरान विद्यार्थियों की कमियों को दूर करने का प्रयास किया जाएगा।

समाधान शिविर में प्राप्त हुई 10 शिकायतः नगराधीश अशोक कुमार

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

नूंह, अभयसिंह सैनी। स्थानीय लघु सचिवालय कार्फ्रेंस के हॉल में सहायक पुलिस अधीक्षक सोनाक्षी सिंह ने शुक्रवार को आयोजित समाधान शिविर में लोगों की समस्याएं सुनी। सहायक पुलिस अधीक्षक सोनाक्षी सिंह ने बताया कि सरकार के निर्देशानुसार जिला व उपमंडल स्तर पर लोगों की शिकायतों का निपटारा करने के उद्देश्य से समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक कार्यदिवस को सुबह 10 से 12 बजे समाधान शिविर में नागरिकों की समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाता है। नगराधीश अशोक कुमार ने समाधान शिविर में शिकायतों को सुना। समाधान शिविर में कुल 10 शिकायतें आई सामने जिनके निपटान के लिए संबंधित अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने मूलभूत सुविधाओं से संबंधित शिकायतों के अलावा आधार कार्ड, फैमिली आईडी, बुढ़ापा पेंशन से संबंधित, बिजली से संबंधित, एनओसी लेने बारे, कब्जा दिलवाने से संबंधित शिकायत सुनी। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा समाधान शिविर में आने वाले प्रत्येक नागरिक की शिकायत का प्राथमिकता के साथ निदान किया जा रहा है। अब लोगों को विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतों के निपटारे के लिए अलग-अलग कार्यालयों में चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं है। समाधान शिविर में एक छत के नीचे ही सभी विभागों की शिकायतों का निदान किया जा रहा है।

निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन कल

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

गुडग़ांव। सामाजिक संस्था आदर्श ब्राह्मण सभा द्वारा कल रविवार को बसई रोड स्थित भगवान श्री परशुराम भवन में निशुल्क चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा, जिसमें विभिन्न रोगों की निशुल्क जांच की जाएगी। संस्था के प्रवक्ता डीपी शर्मा ने बताया कि शिविर में होमियोपैथी, आयुर्वेद वप एलोपैथी पद्धति के माध्यम से चिकित्सकों डा. कविता सचदेवा, डा. एमएम अग्रवाल, डा. बृजकिशोरी गुजराल, डा. पवनीश अग्रवाल, डा. प्रीति जैन, डा. ईरा शर्मा, डा. हरिओम, डा. रुचि शर्मा, डा. राकेश सैनी व डा. रश्मि शर्मा रोगियों के स्वास्थ्य की जांच करेंगे। बीपी व थॉयराईड की निशुल्क जांच होगी। शिविर को सफल बनाने में संस्था के सदस्य जुटे हुए हैं।

समाधान शिविर में एडीसी ने सुनीं नागरिकों की शिकायतें

- नागरिकों के लिए अपनी समस्याएं रखने का समाधान शिविर अच्छा प्लेटफार्म : एडीसी डॉ आनंद कुमार शर्मा

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

कनीना, अनिल शर्मा। हरियाणा सरकार के दिशा-निर्देश पर हर रोज सुबह 9:00 से 11:00 बजे तक लगाए जा रहे समाधान शिविरों की कड़ी में आज अतिरिक्त उपायुक्त डॉ आनंद कुमार शर्मा ने नागरिकों की समस्याएं सुनी। जिला में कुल 20 शिकायतें प्राप्त हुई। एडीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक समस्या को पूरी गंभीरता के साथ सुना जाए। नागरिकों को एक ही छत के नीचे सभी प्रकार की समस्याओं को रखने का एक बहुत ही बेहतरीन प्लेटफार्म समाधान शिविरों के तौर में मिला है। समाधान शिविर में चंदपुरा गांव के शिवकुमार की समस्या का अधिकारियों ने मौके पर ही समाधान किया। शिवकुमार ने बताया कि उनकी भाभी की विकलांग पेंशन नहीं बनी थी। आज समाधान शिविर में जिला समाज कल्याण अधिकारी ने मौके पर ही सारी कागजी कार्रवाई करवाकर पेंशन बनवाई। उन्होंने कहा कि यह समाधान शिविर लगातार लगाते रहने चाहिए। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ, नगराधीश मंजीत सिंह के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

गांव तलवंडी राणा के गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल में नशे के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम आयोजित, विद्यार्थियों को दिलाई गई नशे से दूर रहने की शपथ।

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

हिसार, कुलदीप सोनी। सामाजिक एवं न्याय अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा चलाए जा रहे नशा मुक्त भारत अभियान के तहत गांव तलवंडी राणा स्थित गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल में नशे के दुष्प्रभावों बारे जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला सुकून काउंसलर राहुल शर्मा ने विद्यार्थी एवं युवाओं को तंबाकू, गुटखा व नशीले पदार्थ के सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों बारे जागरूक किया। उन्होंने बताया कि नशा एक ऐसी बुराई है, जिससे इंसान का अनमोल जीवन समय से पहले समाप्त हो जाता है और उसके परिवार को कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। युवा वर्ग में नशा करने के बढ़ती प्रवृति बहुत गंभीर समस्या है। नशे से अपराधों में भी वृद्धि होती है। राहुल शर्मा ने बताया कि नशा एक तरल ठोस या रासायनिक द्रव्य पदार्थ है, जिसके सेवन करने से व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक नुकसान तो होता ही है, वहीं ज्यादा समय तक नशे का प्रयोग करने से दिल, गुर्दे, मस्तिष्क, लिवर आदि पर बहुत गलत प्रभाव पड़ता है। ऐसा निरंतर रूप से होने से व्यक्ति धीरे-धीरे बीमार होना शुरू हो जाता है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि हमें कभी भी संग के साथियों के दबाव, मानसिक तनाव, दिखावा, खुशी के अवसर आदि के दबाव में नशा नहीं करना चाहिए। क्योंकि नशा किसी समस्या का हल नहीं है। इसके अलावा हमें आस-पड़ोस या कोई भी मित्र किसी भी प्रकार का नशा करता है तो उसका छुड़वाने में सहयोग करना चाहिए। राहुल शर्मा ने बताया कि नशे की लत को छोड़ा जा सकता है। वह भी मूल्यांकन, दवाइयों द्वारा इलाज, व्यक्तिगत परामर्श, पारिवारिक परामर्श, सामूहिक चिकित्सा, उपचार के बाद जांच द्वारा व्यक्ति नशा छोड़ सकता है। मंत्रालय द्वारा जारी किए गए टोल फ्री नंबर 14446 की भी जानकारी दी गई। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को नशा न करने की शपथ भी दिलाई गई। स्कूल के प्रिंसिपल देवीलाल शर्मा ने बताया कि बच्चों को योगा व मेडिटेशन के द्वारा विभिन्न गतिविधियां करवाई जाती हैं, जिनमें दोनों हाथों से लिखना, आवाज सुनकर संख्या बताना, आँखे बंद कर पढ़ लेना आदि जोकि सिखाया जाता है। उन्होंने बताया कि इससे बच्चे आंतरिक रूप से तो मजबूत होते ही हैं साथ ही नशा जैसी बुराइयों से भी दूर रहते हैं। इस अवसर पर स्कूल स्टॉफसे बबली शर्मा, सुरेश कुमार, प्रद्युमन, सुभाष चंद्र, राजेंद्र पुनिया, अंजलि शर्मा, राजेंद्र एवं सुशील कुमार सहित अन्य अध्यापकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

निकाय चुनाव के लिए मतदाता सूची समय रहते अपडेट करें अधिकारी- उपायुक्त अजय कुमार

डीसी अजय कुमार ने राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार संशोधित मतदाता सूची तैयार करने के लिए अधिकारियों संग की रिव्यू बैठक

6 जनवरी को मतदाता सूची का होगा अंतिम प्रकाशन, नगर निगम गुरुग्राम व मानेसर, नगर परिषद पटौदी जाटौली मंडी और नगर पालिका फर्रुखनगर से संबंधित अधिकारियों को जिला उपायुक्त ने दिए निर्देश

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

गुरुग्राम, मोहित सैनी। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी अजय कुमार ने शुक्रवार सुबह लघु सचिवालय में निकाय चुनावों की तैयारी बैठक ली। इस दौरान संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से मतदाता सूची तैयार कराने, वार्ड अनुसार फील्ड में मतदाता सूची में सुधार व अपडेट संबंधी तैयारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समय रहते सभी अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करें। साथ ही सुनिश्चित करें कि मतदाता के हित को इस प्रक्रिया में सर्वोपरि रखा जाए। जिला उपायुक्त ने कहा कि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगर निगम गुरुग्राम व मानेसर, नगर परिषद पटौदी - जाटौली मंडी और नगर पालिका फर्रुखनगर के लिए चुनावी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। आयोग ने मतदाता सूचियों के अंतिम प्रकाशन का शेड्यूल भी इसके तहत पहले ही जारी कर दिया है। अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि शेड्यूल अनुसार अगले माह 6 जनवरी को मतदाताओं की संशोधित सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाए। जिला उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि पूर्व में प्रकाशित की गई अंतिम मतदाता सूची के आधार पर आगामी 16 दिसंबर तक सभी मतदाताओं को वार्डवार बांटने का काम पूरा करें जिससे कि 17 दिसंबर को मतदाता सूची का वार्डवार प्रकाशन किया जा सके। इसके बाद संबंधित मतदाता इस सूची में अपना नाम, पता, फोटो आदि विवरण को देख सकेंगे। इस प्रारंभिक ड्राफ्ट के आधार पर मतदाता इस सूची में संशोधन कराने, नए वोट बनवाने, वोट कटवाने के लिए निर्धारित प्रारूप में 23 दिसंबर तक फार्म जमा करवा सकते हैं। हरियाणा म्युनिसिपल कारपोरेशन चुनाव नियम, 1994 के तहत 27 दिसंबर तक दावे और आपत्तियों के तौर पर जमा हुए सभी आवेदनों का सक्षम अधिकारियों द्वारा निपटारा किया जाएगा। मतदाता को किसी निर्णय पर आपत्ति है तो वह 31 दिसंबर तक उपायुक्त के समक्ष अपील कर सकता है। इन अपीलों का निवारण 3 जनवरी, 2025 तक कर दिया जाएगा। इसके बाद 6 जनवरी को नई मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा। संशोधित मतदाता सूची के आधार पर निकाय चुनाव कराए जाएंगे। उपायुक्त ने सभी संबंधित निकाय में मतदाताओं की जानकारी देते हुए बताया कि नगर पालिका फर्रुखनगर में मतदाताओं की संख्या 12 हजार, नगर परिषद पटौदी जाटौली मंडी में 40 हजार व मानेसर निगम में 80 हजार व गुरुग्राम निगम में मतदाताओं की संख्या 7 लाख 75 हजार के करीब है। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि सभी संबंधित अधिकारी संबंधित बीएलओ की जिम्मेदारी तय कर इस पूरी प्रक्रिया को समयबद्धता के साथ पूरा करवाना सुनिश्चित करें। बैठक में एडीसी हितेश कुमार मीणा, सीटीएम कुंवर आदित्य विक्रम, मानेसर निगम के अतिरिक्त आयुक्त जितेंद्र कुमार, डीआईओ विभु कपूर सहित संयुक्त आयुक्त प्रदीप कुमार व जिला निर्वाचन कार्यालय के कर्मचारी उपस्थित रहे।

पटौदी की हिंदी शिक्षिका कमलेश ढींगरा को चौथी बार भाषा गौरव शिक्षक सम्मान मिला

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

पटौदी, (सैनी)। डीएवी स्कूल पटौदी की हिंदी शिक्षिका कमलेश ढींगरा को लगातार चौथी बार भाषा गौरव शिक्षक सम्मान मिलने से क्षेत्र वासियों में खुशी की लहर दौड़ गई है। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र व हिंदी भाषा अकादमी के संयुक्त तत्वाधान में नई दिल्ली अंबेडकर भवन में आयोजित भाषा उत्सव समारोह में हिंदी भाषा के प्रचार प्रसार के लिए कमलेश ढींगरा को भाषा गौरव शिक्षक सम्मान से नवाजा गया। राव रामजीवन डीएवी स्कूल पटौदी में हिंदी शिक्षिका कमलेश ढींगरा कई दशकों से विद्यार्थियों को हिंदी भाषा का ज्ञान दे रही है। उनके 13 शिष्यों ने पिछले सत्र 2023-24 में हिंदी विषय में 90प्रतिशत से ज्यादा अंक प्राप्त करके अपनी प्रतिभा का परिचय दिया था। जिनमें रीतिका, कुणाल, कृतिका, अलीशा, रितिक, रितिक सिंह, दीया, परी, ध्रुव, प्रशांत, भावना, गुंजन व जाह्नवी ने 90प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करके भाषा दूत की उपाधि प्राप्त की। कमलेश ढींगरा द्वारा लगातार चौथी बार भाषा गौरव शिक्षक सम्मान प्राप्त करना उनकी कर्मठता, लगन और मेहनत को दर्शाता है। चौथी बार भाषा गौरव शिक्षक सम्मान मिलने और राष्ट्रभाषा का शुद्ध प्रचार प्रसार करने पर अनेक संस्थाओं और प्रबुद्ध जनों ने उन्हें बधाई देते हुए उनकी सराहना की है। इस अवसर पर पूर्व एमएलए सत्यप्रकाश जरावता, पूर्व विधायक रामबीर सिंह, कांग्रेस नेता सुधीर चौधरी, पूर्व नगर पालिका चेयरमैन चंद्रभान सहगल, डा. ओमप्रकाश अदलखा, समाज सुधार समिति के चेयरमैन राजसिंह चौहान, समाजसेवी सतपाल चौहान व कवि सत्यप्रकाश सरपंच सहित अन्य प्रमुख लोगों ने कमलेश ढींगरा को बधाई दी है।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन है आज

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

गुरूग्राम, मोहित सैनी। शनिवार 14 दिसंबर को गुरूग्राम जिला में जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के चेयरमैन तथा जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुभाष मैहला की अध्यक्षता में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। लोक अदालत के लिए जिला में 22 बेंचों का गठन किया गया है और प्राधिकरण के पैनल एडवोकेट की हर एक कोर्ट के लिए ड्यूटी लगा दी गई है। प्राधिकरण सचिव एवं सीजेएम रमेश चंद्र ने यह जानकारी देते हुए बताया कि गुरूग्राम में 20 व सोहना और पटौदी में एक-एक बेंच राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए बनाई गई है। उन्होंने बताया कि शनिवार 14 दिसंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में बीस हजार से अधिक मामले रखे जाने की संभावना है। ट्रैफिक चालान का निपटारा करने के लिए गुरूग्राम कोर्ट के गेट नंबर दो के समीप एक हेल्प डेस्क स्थापित की गई है। लोक अदालत में दीवानी, फौजदारी, बैंक लोन, बीमा क्लेम, पारिवारिक विवाद, बिजली, पानी के बिल, मोटर व्हीकल एक्ट, जमीनी इंतकाल, चेक बाउंस आदि से संबंधित मामलों की सुनवाई की जाएगी। सीजेएम रमेश चंद्र ने बताया कि लोक अदालत के माध्यम से कोर्ट में लंबे समय से चले आ रहे मुकदमों का त्वरित निपटान करवाया जा सकता है। इस लोक अदालत में दोनों पक्षों की सहमति से विवाद का हल निकाला जाता है। इसलिए कोर्ट के फैसले पर किसी पक्ष को एतराज नहीं होता। लोक अदालत का सबसे बड़ा लाभ यह है कि आम आदमी को कोर्ट में बार-बार चक्कर लगाने और विवाद में अधिक व्यय करने से राहत मिलती है।

पर्यावरण संवेदनशील क्षेत्र में जीरो टॉलरेंस की नीति से काम करें अधिकारी- एसीएस आनंद मोहन शरण

पर्यावरण संवेदनशील क्षेत्र में अतिक्रमण, अवैध निर्माण संबंधी मुद्दों पर समयबद्ध तरीके से कार्रवाई के दिए निर्देश

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

गुरुग्राम, मोहित सैनी। पर्यावरण, वन एवं वन्यजीव विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद मोहन शरण ने शुक्रवार को जिला अधिकारियों संग बैठक कर पर्यावरण संवेदनशील क्षेत्र में जीरो टॉलरेंस नीति अपनाकर काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले में सुल्तानपुर राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र काफी महत्वपूर्ण है। इस क्षेत्र के प्रतिबंधित क्षेत्र में अवैध निर्माण गतिविधियों को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने जिला उपायुक्त अजय कुमार की निगरानी में अवैध निर्माण की निगरानी व कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उक्त स्थान की तय परिधि में निर्माण गतिविधि जोनल मास्टर प्लान प्रोविजन और इको सेंसिटिव जोन (पर्यावरण संवेदनशील क्षेत्र) के नियमों का उल्लंघन है। केंद्र सरकार ने सुल्तानपुर नेशनल पार्क को रामसर साइट का दर्जा दिया है। संबंधित क्षेत्र की तय परिधि में अवैध निर्माण नहीं होना चाहिए। इसके लिए जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाएं। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र परिधि के निकटतम बनने वाली नियमित इकाइयों की भी जांच करें। अधिकारी संबंधित क्षेत्र के आस-पास होने वाले ढांचागत निर्माण नियमों की पालना सुनिश्चित करें। इसमें कोताही बरतने वालों के खिलाफकार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि इस वर्ष मार्च में इसके संबंध में एक निगरानी कमेटी बनाई गई थी। कमेटी रिपोर्ट के अनुसार संबंधित क्षेत्र में कुछ अवैध निर्माण संज्ञान में आए हैं। ऐसे सभी निर्माण की स्टेटस रिपोर्ट बनाकर सौंपे। उन्होंने कहा कि राज्य व केंद्र सरकार पर्यावरण हितैषी कार्य करने के पक्ष में है। इस पर लगातार गंभीरता से काम किया जा रहा है। लोगों को पर्यावरण का मूल्य समझना होगा। सुनिश्चित करें कि पर्यावरण संवेदनशील क्षेत्र में कोई अवैध निर्माण न हो। इस दौरान विनीत कुमार गर्ग(आईएफएस) जीएमडीए के सीईओ श्यामल मिश्रा, जिला उपायुक्त अजय कुमार,प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी विजय चौधरी, आरएस भाट डीटीपी नोडल अधिकारी, मनीष यादव डीटीपी(ई) व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ उठाएं किसान

फसल बीमा योजना की आवेदन अवधि है 31 दिसंबर तक

योजना के प्रति अनिच्छुक किसान 24 दिसंबर तक दे सकता है असहमति पत्र

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

गुरूग्राम, मोहित सैनी। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लिए किसान 31 दिसंबर तक बैंक में प्रीमियम कटवाकर अपना आवेदन कर सकते हैं। कोई भी ऋणी किसान अगर इस योजना में शामिल नहीं होना चाहता है तो वह 24 दिसंबर तक बैंक में अपनी असहमति देकर स्कीम से बाहर रह सकता है। कृषि विभाग के उप निदेशक डा. अनिल तंवर ने यह जानकारी देते हुए बताया कि रबी सीजन के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की स्कीम चलाई जा रही है, जिसकी आखिरी तारीख 31 दिसंबर तक है। गुरूग्राम जिला में एचडीएफसी एग्रो कंपनी को फसल बीमा करने की जिम्मेदारी दी गई है। उन्होंने बताया कि गेहूं की फसल के लिए किसान को 459.2 रूपए प्रति एकड़, सरसों के लिए 308.2 रूपए प्रति एकड़, जौ के लिए 292.67 रूपए प्रति एकड़ और सूरजमुखी की फसल के लिए किसान को 311.35 रूपए प्रति एकड़ के हिसाब से प्रीमियम जमा करवाना होगा। डा. अनिल तंवर ने बताया कि सहकारी बैंकों में तो ऋणी किसान का प्रीमियम फसल बीमा योजना के लिए स्वतरू उसके खाते से काट लिया जाता है। यदि कोई सहकारी बैंक का उपभोक्ता किसान प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में शामिल नहीं होना चाहता है तो वह 24 दिसंबर तक अपना असहमति पत्र बैंक को दे सकता है। निजी व राष्ट्रीयकृत बैंकों में फसल बीमा योजना के लिए किसान को खुद अपने खाते से बीमा प्रीमियम की राशि कटवानी होगी। उन्होंने कहा कि फसल बीमा योजना में किसान की फसल किसी प्रकार की प्राकृतिक आपदा जैसे ओलावृष्टि, फसल की महामारी, जलभराव या आकाशीय बिजली के कारण खराब हो जाती है तो उसे क्षतिपूर्ति राशि कंपनी की ओर से दी जाएगी। कृषि उप निदेशक ने बताया कि किसान को फसल खराब होने के बाद 72 घंटे में इसकी सूचना क्रॉप इंश्योरेंस एप, अपने क्षेत्र के कृषि अधिकारी या फिर टोल फ्री नंबर 14447 पर देनी होगी। इस योजना के बारे में किसान कृषि विभाग से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। यह स्कीम सभी किसानों के लिए उपलब्ध है।

सोहना मे मार्केट कमेटी की कार्यवाही से हुआ लाखों का नुक़सान

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

सोहना, अभयसिंह सैनी। सोहना मे शुक्रवार को सुबह उस समय हड़कंप मच गया जब मार्केट कमेटी की टीम ने अनाज मंडी की टीन शेड मे फुटकर मे सब्जी बेच रहे गरीब व्यापारियों के सामान को ट्रैक्टरों मे भरकर ले गए वहीं इन व्यापारियों ने बताया की हमे किसी तरह की कोई जानकारी पहले नहीं दी और हमारी बेशकिमती सब्जी और सब्जी बेचने के सामान को ट्रेक्टर मे भरकर ले गए। वहीं इस कार्यवाही मे गरीब रेहड़ी वालों के समान को मार्केट कमेटी की टीम भरकर ले गई पीड़ित लोगों ने बताया की हमारी रहडियां तो खड़ी हुई थी जबकि हम सब्जी खरीद रहे थे। जानकारों की मानें तो सब्जी मंडी के कुछ लोगों द्वारा दी गई शिकायत पर ये कार्यवाही हुई है जिसमें लाखों रुपए का नुक़सान हुआ है जबकि देखा जाए तो सेकंडों ग़रीब लोगों का रोजगार मार्केट कमेटी की इस कार्रवाई छिन गया है। पीड़ित लोगों ने अपनी दबी जुबान मे बताया की ये सब कुछ इन बड़े बड़े आढ़तियों की आपसी रंजिश का कारण है जबकि सरकार अंतिम पंक्ति मे खड़े व्यक्ति को लाभ पहुचाना चाहती है। वहीं कुछ लोगों ने बताया की मार्केट कमेटी के लोग गरीब रेहड़ी वालों से रुपये ऐंठन के चक्कर में लगे रहते हैं जिसका जीता जागता उदाहरण जो लोग पावर फुल थे उनका उठाया गया सामान को वापिस लोटाना है।

20 से 22 दिसंबर तक राखीगढ़ी महोत्सव में होगा इतिहास और संस्कृति का शानदार संगम

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

हिसार, कुलदीप सोनी। अतिरिक्त उपायुक्त सी. जयाश्रद्धा ने शुक्रवार को लघु सचिवालय परिसर स्थित वीसी सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में 20 से 22 दिसंबर तक आयोजित होने वाले राखीगढ़ी महोत्सव की तैयारियों को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। राखीगढ़ी महोत्सव विशेष रूप से इतिहास एवं संस्कृति के प्रति रुचि रखने वाले विद्यार्थियों के लिए एक उत्कृष्ट अवसर होगा। अतिरिक्त उपायुक्त ने जानकारी देते हुए बताया कि इस महोत्सव के दौरान पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग (एएसआई) की ओर से पुरातत्व स्थलों की खोज और खुदाई की प्रक्रिया के बारे में सरल तरीके से बताया जाएगा। इसके साथ ही टीले नं. 1, 2, 3 व 4 पर विद्यार्थियों के लिए हेरिटेज वॉक का आयोजन होगा। संग्रहालय का भ्रमण कराते हुए सेमिनार, व्याख्यान और वर्कशॉप के माध्यम से विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण जानकारी दी जाएगी। उन्होंने बताया कि महोत्सव के दौरान राखीगढ़ी स्थित स्टेडियम में एक विशाल दंगल कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा। इसके अलावा, मुख्य मंच के आसपास 100 से अधिक स्टॉल लगाए जाएंगे, जिनमें फूड स्टॉल, स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा संचालित स्टॉल, सरकारी की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने वाले स्टॉल शामिल होंगे। नारनौंद एसडीएम मोहित महराणा ने बताया कि स्कूल और कॉलेज के विद्यार्थी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से राखीगढ़ी महोत्सव की शोभा बढ़ाएंगे। राखीगढ़ी महोत्सव विद्यार्थियों के लिए सीखने और अनुभव करने का एक शानदार अवसर रहेगा। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि वे इस ऐतिहासिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग अवश्य लें। बैठक में पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग की उप निदेशक डॉ बनानी भट्टाचार्य, जिला शिक्षा अधिकारी प्रदीप नरवाल, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी निर्मल दहिया, जिला सूचना एवं जन संपर्क अधिकारी रोहित कुमार, गुरु गोरख नाथ राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ विवेक सैनी, इतिहासकार डॉ महेंद्र सिंह सहित जिले के सभी डिग्री कॉलेजों के प्राचार्य भी उपस्थित रहे।

विकासोनमुख कार्यों में तेजी लायें - ए श्रीनिवास

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

गुरुग्राम, मोहित सैनी। हिसार मंडल आयुक्त एवं दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के प्रबंध निदेशक ए श्रीनिवास ने आज स्थानीय कार्यालय में निगम के निदेशकों संग बैठक की। डायरेक्टर्स की इस बैठक में रखी गए कार्यसूची के अनेक प्रस्ताव की अनुमति दी गई और आगामी कार्रवाई हेतु प्रेषित करने का निर्णय किया गया। प्रबंध निदेशक ए श्रीनिवास ने इस बैठक के दौरान विकासोनमुख प्रस्तावों को शीघ्र अति शीघ्र करने के निर्देश दिए। बिजली उपभोक्ता हित के किए जा रहे विकास कार्य में तेजी लाने, कार्यों का उचित रखरखाव करने और रखरखाव करने वाले कर्मचारियों की सुरक्षा हेतु उनकी जान माल की सुरक्षा एवं दुर्घटनाओं से बचाव के निर्देश दिए। प्रबंध निदेशक ने कहा कि प्रत्येक अभियंता को फील्ड में एलटी, एचटी लाइनों, ट्रांसफॉर्मर आदि पर काम करते समय सुरक्षा बेल्ट और अन्य संबद्ध सुरक्षा उपकरण पहनने बारे कर्मचारियों की निगरानी करनी है। बिजली लाइन पर काम करने वालों को घातक व गैर-घातक दुर्घटनाओं से बचने के स्वयं उपाय अपनाने जरूरी हैं। विद्युत लाइनों पर कार्य करते समय इनकी पालना नहीं करने वाले दोषियों के खिलाफकार्रवाई की जाएगी। अक्सर यह देखा गया है कि जल्दबाज़ी एवं लापरवाही के कारण दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटनाएं होती हैं। विद्युत लाइनों पर काम करते समय एवं उनका रखरखाव करते हुए सुरक्षा सावधानियों का पालन किया जाना चाहिए। सभी रखरखाव टीमों और व्यक्तियों एवं लाइन स्टाफद्वारा सुरक्षा किट व उपकरणों का उपयोग किया जाना चाहिए।

सुशासन को बढ़ावा देने के लिए प्रशासन गांव की ओर अभियान का होगा आयोजनः अतिरिक्त उपायुक्त सी. जयाश्रद्धा।

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

हिसार, कुलदीप सोनी। जिला हिसार में 19 से 25 दिसंबर तक राष्ट्रव्यापी अभियान प्रशासन गांव की ओर शुरू किया जाएगा। ग्रामीण विकास पर फोकस रखते हुए लोगों को बेहतर ढंग से प्रशासनिक सेवाएं मुहैया कराई जा रही हैं और इस अभियान के तहत और प्रभावी रूप से प्रशासन अपना दायित्व निभाएगा। अतिरिक्त उपायुक्त सी. जयाश्रद्धा ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य केंद्र और राज्य सरकार के विभागों की सक्रिय भागीदारी और समर्थन से सुशासन को बढ़ावा देना है। सुशासन सप्ताह के दौरान जनता की शिकायतों के निवारण और सेवा वितरण में सुधार के लिए एक राष्ट्रव्यापी अभियान प्रशासन गांव की ओर शुरू किया जा रहा है। 19 से 24 दिसंबर तक रोजाना गांव के लोगों की समस्याएं सुनी जाएंगी और समस्याओं का निवारण किया जाएगा। सुशासन सप्ताह की रिपोर्ट सीपी ग्राम पोर्टल पर अपलोड की जाएगी।

सीएम विंडो और एसएमजीटी पर ग्रामीण क्षेत्र से आई शिकायतों का भी जल्द से जल्द समाधान किया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्र के अंत्योदय केंद्रों में आयी शिकायतों का समाधान भी दिए गए समयानुसार किया जाएगा। अतिरिक्त उपायुक्त सी. जयाश्रद्धा ने कहा कि सभी विभाग विशेष शिविरों में निपटाए गए सार्वजनिक शिकायतों की संख्या, सीपी ग्राम पोर्टल में निपटाए गए सार्वजनिक शिकायतों की संख्या, राज्य पोर्टलों पर निपटाए गए सार्वजनिक शिकायतों की संख्या, ऑनलाइन सेवा वितरण के लिए जोड़ी गई सेवाओं की संख्या, निपटाए गए सेवा वितरण आवेदनों की संख्या को दैनिक रूप से गुड गवर्नेंस पोर्टल पर अपलोड कराएंगे। गुड गवर्नेंस के अंतर्गत किए गए कार्यों का संकलन, प्रचार-प्रसार तथा उन्हें पोर्टल पर अपेक्षित फोटोग्राफ के साथ तथा सार्वजनिक शिकायतों के समाधान की सफलता की कहानियों संबंधित विभागों द्वारा पोर्टल पर अपलोड भी की जाएगी।

खेलों का सामान ग्राम पंचायतों व नगर निकायों को कराया जाएगा उपलब्धः अतिरिक्त उपायुक्त सी. जयाश्रद्धा

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

हिसार, कुलदीप सोनी। अतिरिक्त उपायुक्त सी. जयाश्रद्धा ने जानकारी देते हुए बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों व नगर निकायों के युवाओं को खेलों के प्रति आकर्षित करने हेतु उनके क्षेत्रों मे प्रसिद्ध खेलों को बढ़ावा देने तथा खिलाड़ियों को ड्रग्स जैसी बुरी आदतों से बचाने के लिए सरकार द्वारा हरियाणा प्रोविजन ऑफ स्पोर्ट्स इक्यूपमेंट स्कीम 2024-25 योजना के तहत वर्णित खेलों का सामान ग्राम पंचायतें व नगर निकायों को उपलब्ध करवाया जाना है। इस बारे में अधिक जानकारी देते हुए अतिरिक्त उपायुक्त सी. जयाश्रद्धा ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत पंचायतें व नगर निकायों के निर्धारित शर्तों को पूरा करने पर खेल सामान दिया जायेगा। यह योजना वित्तीय वर्ष 2024-25 तक के लिए निर्धारित की गई है और 31 मार्च 2025 तक मान्य होगी। इस योजना के अंतर्गत इच्छुक पंचायतें व नगर निकायों अपने यहां प्रचलित खेल व उपलब्ध खेल मैदान के आधार पर वॉलीबॉल, फुटबॉल, बास्केटबॉल, हैंडबॉल, बॉक्सिंग, कुश्ती, जूडो तथा क्रिकेट खेल का सामान प्राप्त करना चाहते है वह किसी भी कार्य दिवस में जिला खेल अधिकारी कार्यालय में उपस्थित होकर आवेदन-पत्र प्राप्त कर सकते है। योजना के नियम व शर्तें मौके पर ही उपलब्ध करा दिए जाएंगे अथवा विभाग की वेबसाईट से डाउनलोड किए जा सकते है।

हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने शुक्रवार को गुरूग्राम में विभिन्न स्थानों पर सुनी जनसमस्याएं

जिला के ग्रामीण क्षेत्रों में शहरों के समानांतर विकास कार्य करवाना मेरी प्राथमिकता: राव नरबीर सिंह

नई परियोजनाओं के माध्यम से अगले पांच वर्षों में क्षेत्र के विकास को दिए जाएंगे नए आयाम: राव नरबीर सिंह

राव नरबीर सिंह ने कहा, गांवों में पॉलीथीन को बैन कर, जुर्माना निर्धारित करें ग्राम पंचायतें

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

गुरूग्राम, मोहित सैनी। हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य, पर्यावरण, वन एवं वन्य जीव मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि गुरूग्राम के शहरी क्षेत्रों में जिस नई ऊर्जा के साथ विकास कार्यों को नई गति दी जा रही है। जिला के ग्रामीण क्षेत्रों में भी उसके समानांतर विकास कार्य करवाना उनकी प्राथमिकताओं की सूची में पहले स्थान पर है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि वे आज ग्रामीणों की समस्याओं को जानने के लिए उनके बीच पहुँचे है। अगली बार वे जब गांव में आएंगे तो उनके आने से पहले ग्रामीणों द्वारा दिए गए मांग पत्र में नियमों को पूरा करने वाली सभी परियोजनाओं पर कार्य शुरू करवा दिया जाएगा। उन्होंने ये बात शुक्रवार को बादशाहपुर क्षेत्र में धन्यवादी दौरे के दौरान गाँव धानावास में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कही। इस दौरान कैबिनेट मंत्री का गांव सैदपुर, मोहम्मदपुर व जुडोला में पहुँचने पर फूलमालाओं व ढोल नगाड़ों के साथ स्वागत किया। राव नरबीर सिंह ने जनसमस्याओं के सुनवाई के क्रम में आमजन को संबोधित करते हुए कहा कि वर्ष 2014 से 19 के बीच उनके कार्यकाल में विकास कार्यों की जो निर्बाध गति थी। उसी गति के साथ 2024 से 29 तक नई परियोजनाओं के माध्यम से क्षेत्र के विकास को नए आयाम दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में सबकी रायशुमारी से जो भी मांगे उनके समक्ष रखी जाएंगी, प्राथमिकता के साथ उनका निवारण करने के लिए वे प्रतिबद्ध है। इस दौरान ग्रामीणों द्वारा बिजली, पेयजल, सीवर ब्लॉकेज व अन्य मूलभूत सुविधाओं की शिकायतों के संबंध में उन्होंने अधिकारियों से अगले 1 माह में निवारण के निर्देश दिए। उन्होंने विधानसभा चुनाव में मिले जनादेश के दृष्टिगत आमजनमानस का शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि आप सभी ने जिस विश्वास के साथ उन्हें चुनकर भेजा है। उनका प्रयास रहेगा कि वे आपकी उम्मीदों से भी बढ़कर कार्य करेंगे। कैबिनेट मंत्री ने मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके राजनैतिक जीवन में वे पहले ऐसे मुख्यमंत्री हैं जिनके दरवाजे हमेशा जनता के लिए खुले रहते हैं। राव नरबीर ने कहा कि मुख्यमंत्री जिस प्राथमिकता के साथ गुरूग्राम की समस्याओं की मॉनिटरिंग कर रहे हैं, उम्मीद है जल्द ही आपको धरातल पर सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे।

राव नरबीर ने ग्रामीणों द्वारा स्कूल को अपग्रेड करने की मांग पर उन्हें आश्वस्त किया कि वे सरकार द्वारा निर्धारित तीन मानकों को पूरा करवाएं। उसके बाद उनकी मांग को तत्परता से पूरा करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के सरकारी स्कूलों में नए भवनों के निर्माण व आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए वे निरन्तर प्रयासरत है। इसमें सीएसआर का सहयोग भी लिया जा रहा है। कैबिनेट मंत्री ने इस दौरान ग्रामीणों की शिकायतों के गुणवत्तापरक समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

गांवों में पॉलीथीन को बैन कर, जुर्माना निर्धारित करें ग्राम पंचायतें

पर्यावरण मंत्री ने इस दौरान ग्राम पंचायतों से आह्वान करते हुए कहा कि सरकार द्वारा पॉलीथिन बनाने व बेचने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। ऐसे में ग्राम पंचायत यह सुनिश्चित करें कि गांव में कोई भी व्यक्ति पॉलीथिन का इस्तेमाल ना करे। अगर कोई व्यक्ति इन नियमों की अवेहलना करता है तो ग्राम पंचायत उस पर एक निर्धारित राशि के तहत जुर्माना भी लगाए। उन्होंने सभी नागरिकों से एक पेड़ माँ के नाम अभियान में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान करते हुए कहा कि हम सभी के सामूहिक प्रयासों से अगले पांच वर्षों में निश्चित रूप से पर्यावरण में एक सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेगा। इस अवसर पर एक्सईएन पंचायती राज अजय शर्मा, बीडीओ नरेश कुमार, बिजली विभाग के एसडीओ अवनीत कुमार, सरपंच धानावास नवीन कुमार, सरपंच सैदपुर इंद्रजीत, सरपंच मोहम्मदपुर राकेश, सरपंच जुडोला शिशान्त, सरपंच वजीरपुर शेर सिंह चौहान, सुनील यादव खेंटावास, डॉ विजय सिंह नम्बरदार वजीरपुर, राजबीर शर्मा सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

Vodafone Idea inches closer to 5G launches, partners with Motorola for the same

Vodafone Idea (Vi) today announced a partnership with Motorola India. As a part of this partnership, the two companies are working together over deployment of Vodafone Idea's 5G network in India. The telecom giant today said that it has successfully tested its 5G network over Motorola's portfolio of 5G smartphones. The company also said that this testing happened in New Delhi over 3350 to 3400 MHz spectrum bands on Vi 5G network. Also Read - OnePlus launch event tomorrow: OnePlus 11 5G, OnePlus 11R 5G, OnePlus Pad and more expected The two companies also shared a list of all of the Motorola's 5G smartphones that support Vi's 5G smartphone. The list includes — Motorola Edge 30 Ultra, Motorola Edge 30 Fusion, Moto G62 5G, Motorola Edge 30, Moto G82 5G, Motorola Edge 30 Pro, Moto G71 5G, Moto G51 5G, Motorola Edge 20, Motorola Edge 20 Pro, and Motorola Edge 20 Fusion smartphones. Also Read - How to lock incognito tabs in Chrome on Android and iOS "We are happy to partner with Motorola in one more step towards our 5G roll out. We believe that the partnership will help develop the 5G device ecosystem, helping more Vi customers upgrade to a superior 5G ready smartphone in time for service roll out," Vodafone Idea CMO, Avneesh Khosla, said on the occasion. Also Read - Dell reportedly fires 6,650 employees in latest job cuts This announcement indicates that Vodafone Idea is inching closer to the roll out of its 5G services in India. However, the company is yet to announce the date of roll out of its 5G services in the country yet. 5G in India For the unversed, Prime Minister Narendra Modi officially launched 5G services in India in October last month. Shortly after, both Reliance Industries' Jio and Bharti Enterprise' Airtel started deploying their 5G services in cities across the country. As of now, Reliance Jio has rolled out its standalone 5G network, dubbed as True 5G services, in 226 cities across the country with Haridwar in Uttarakhand being the latest one to join the list. Bharti Airtel, on the other hand, has so far deployed its 5G services in 77 cities across the country with Bhopal, Ujjain and Gwalior being the latest cities to join the list. It is worth noting that both Airtel and Jio are offering their 5G services at 4G tariffs in India. While Jio says that it will complete 5G roll out by the end of December 2023,

Chandrayaan-3 Live Updates: Count-down to Soft Landing

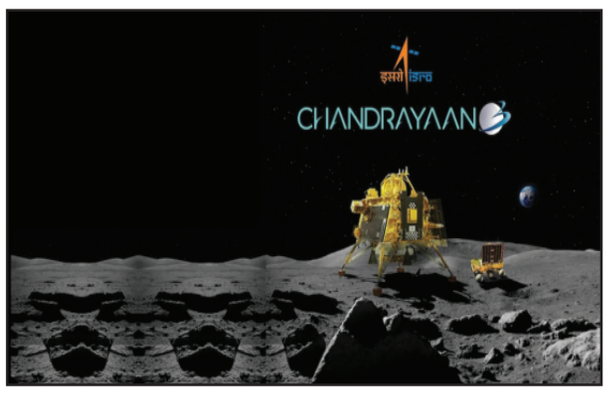

ISRO Releases New Pictures of the Moon From 70km Altitude ISRO has released some more pictures of the Moon captured by the camera attached to the Vikram Lander Module. In its latest update on Chandrayaan-3's planned soft landing on the Moon's South Pole, ISRO meanwhile said the mission is on schedule and systems are undergoing regular checks. Read the full story here. 16:12 (IST) The Moon's Many Mysteries, Explained How old is the Moon? Why do ISRO scientists want to land the Chandrayaan-3 on the Moon's South Pole? Does water/ice exist on the lunar south pole? These questions and many others are answered by Dr. TV Venkateswaran, a scientist at Vigyan Prasar, an autonomous organisation under the Department of Science and Technology (DST), and a member of the public outreach committee of the Astronomical Society of India. Read the full story here. 14:41 (IST) ISRO Releases New Images of the Moon We have fresh visuals of the Moon, captured by the Lander Imager Camera 4 on August 20, 2023. 14:18:53 (IST) What Do We Know About the Presence of Frozen Water on the Moon? ISRO is attempting to land its Chandrayaan-3 spacecraft on the Moon's south pole, a mission that could advance India's space ambitions and expand knowledge of lunar water ice, potentially one of the moon's most valuable resources. Here's what's known about the presence of frozen water on the moon - and why space agencies and private companies see it as a key to a moon colony, lunar mining and potential missions to Mars. Read the full explainer here. 13:36 (IST) Chandrayaan-3 Is on Schedule, ISRO Confirms The ISRO has tweeted that the Moon mission is smooth sailing and systems are undergoing regular checks. The space agency has also released some new visuals of the Moon captured by the Lander Position Detection Camera (LPDC) from an altitude of about 70 km. 13:01:12 (IST) Race for Moon Resources Has Begun While ISRO's Chandrayaan-3 is on course to make a soft landing on the lunar South Pole, Russia's Luna-25 Moon mission encountered problems over the weekend and crashed on the Moon's surface, thus ending the nation's first Moon mission in 47 years in failure. Now, after the Luna-25 crash, the head of Russia's space agency Roskosmos has said that the race to explore and

Sony PlayStation 5, God of War Ragnarok
Bundle pre-booking starts

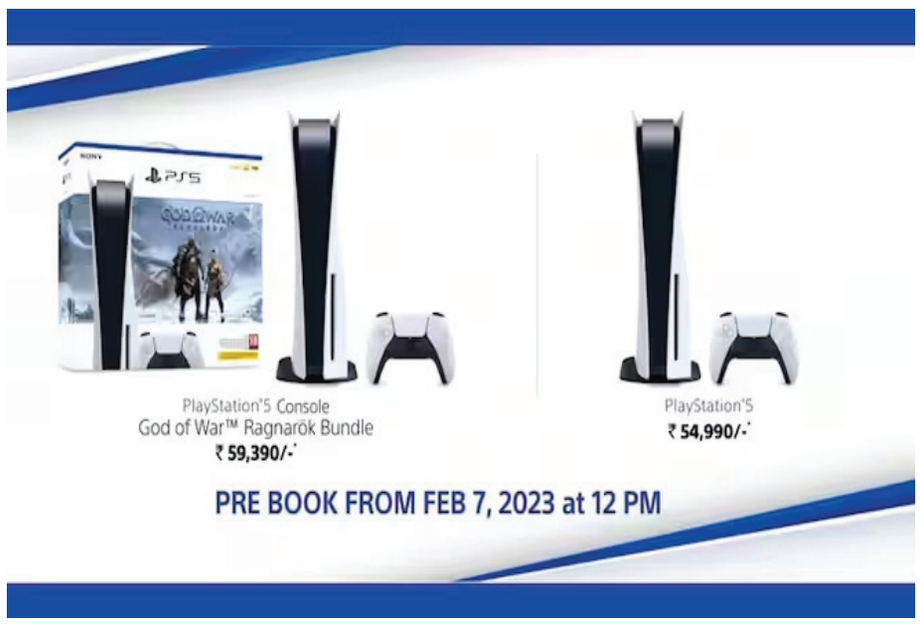

It's February and today (February 7) is the first Sony PS5 restock of the month. This PlayStation 5 restock is different since the price of the console has been hiked and also, there's the God of War Ragnarok bundle going up for pre-booking. Also Read - PlayStation 5 God of War Ragnarok Bundle to go up for pre-booking on February 7 Sony PlayStation 5 restock, God of War Ragnarok Bundle pre-booking The Sony PlayStation 5 will be available in the disc version priced at Rs 54,990. On the other hand, the Sony PS5 God of War Ragnarok bundle costs Rs 59,390. Also Read - PlayStation Plus Collection will not be accessible from May 8 This time around the price has been increased and it also affects the bundle. For instance, last time the Horizon Forbidden West bundle was priced under Rs 55,000. But for the GOW Ragnarok bundle, buyers have to shell out more, almost closer to the Rs 60,000 mark. For the unversed, the price of the PS5 console was increased back in November last year. Nonetheless, if you are interested in pre-booking the console or GOW Ragnarok bundle, you can head to ShopATSC, Amazon.in, e2zStore, and other authorized online stores at 12 PM. What's in the GOW Ragnarok Bundle? Buyers who are getting the PS5 console for the first time could go with a bundle since it comes with the game to get started with. That said, here's what the PS5 God of Wat Ragnarok Bundle gets you. PS5 console 1x wireless controller GOW Ragnarok full game voucher Printed materials HDMI cable AC power cord Sony PlayStation 5 specifications and features The Sony PlayStation 5 comes powered by a custom AMD Zen 2 octa-core processor clocked at up to 3.5GHz. It has RDNA 2 GPU, 10.3 TFPOs, and 16GB of GDDR6 RAM. The console has 825GB of SSD storage, which is expandable via the NVMe M.2 SSD slot. The PS5 is capable of playing games at 120fps and supports 4K Blu-ray. It also has Dolby Atmos and 7.1 surround sound

How to lock incognito tabs in
Chrome on Android and iOS

Google Chrome, unlike some other browsers, comes with several security features. It has features such as a password manager, safe browsing, and safety check. Also Read - How to make Google Chrome your default web browser on Windows PC, Mac, Android phone, iPhone Sometime back, Google also updated the app to make the Incognito experience better on smartphones. It introduced fingerprint/facial locking for Incognito tabs on the Chrome browser. With the help of fingerprint/facial lock, you can secure your private searches. Although this feature was accessible for some time, not many know about it. That said, in this article, we'll show how you can lock incognito tabs on Google Chrome on Android and iOS. How to fingerprint/facial lock Google Chrome's Incognito tabs Before we get started make sure you are on the latest version of Google Chrome. You can check if the app is updated on PlayStore/App Store. Once you are on the latest version of the app, follow the steps below. Android On Android, you'll first need to enable the reauthentication option. Step 1: Open Google Chrome on your Android device Step 2: Head to the flags page by entering the following URL – chrome://flags Step 3: Search Reauthentication for incognito in the search bar Step 4: Once you follow the third step, you should see 'Enable device reauthentication for Incognito.', tap on the Default option. Step 5: Select Enabled from the list of options and relaunch the app Step 6: Now, tap on the three dots in the upper right corner Step 7: Tap on Settings Step 8: Open the Privacy and Security tab Step 9: Turn on the 'Lock incognito tabs when you leave Chrome' option Now, whenever you close the app in between your surfing in incognito mode, all the incognito tabs will be locked with a fingerprint iOS If you are on iOS.

WhatsApp: How to use the
proxy feature to access it

WhatsApp has announced a new proxy feature that will allow users to get access to the messaging app even if their connection is blocked. WhatsApp aims to provide a secure connection for users during internet shutdowns, or for people residing in WhatsApp-banned countries like Iran. Also Read - WhatsApp announces new proxy support feature to allow users to access it even during internet shutdowns As per a statement by WhatsApp, "Our wish for 2023 is that these internet shutdowns never happen. Such blockades, as we have seen in Iran over the past several months, violate people's human rights and prevent them from getting immediate help." Also Read - WhatsApp removes NY live stream, after minister Rajeev Chandrasekhar objects WhatsApp has rolled out proxy support on the app for all users. Also Read - WhatsApp update: WhatsApp working on feature to let users select chats on Desktop beta Here's a step-by-step guide on how you can set up the WhatsApp proxy feature on your smartphones. How to use WhatsApp proxy on Android, iOS Notably, to get access to this feature, you need to make sure that you are using the latest version of the app. Open WhatsApp and open Settings from the top right corner Tap on Storage & data > Proxies > Use proxy Select "Set up proxy" and enter the proxy address. Once done, Tap 'Save'. You will see a green check once it is set up In case you still are not receiving messages or are unable to send messages, the proxy might be banned too. You can try deleting that particular proxy and then set up a new one. Additionally, WhatsApp reveals "If you have access to the Internet, you can search social media or search engines to find reliable sources that have created proxies." WhatsApp says that the proxy does not affect the privacy of users as private messages cannot be accessed by proxy, or Meta as these messages will be end-to-end encrypted. However, the messaging platform clarifies that using a third-party proxy will share your IP address with the proxy provider as they are not provided by WhatsApp itself. WhatsApp says that the proxy does not affect the privacy of users as

Big Tech Firms Not Doing Enough to Remove Fake News,
Comply With EU Online Content Rules: NGO Avaaz

Twitter, Google's YouTube, Meta Platform's Facebook, Microsoft's LinkedIn and TikTok are not doing enough to remove fake news from their platforms, raising doubts about their ability to comply with new EU online content rules, activist NGO Avaaz said on Tuesday. The companies are due to present reports this week on the measures they have taken to comply with the updated EU code of practice on disinformation which is linked to the online content rules known as the Digital Services Act (DSA) that came into force last November. Avaaz said it analysed a sample pool of 108 fact-checked pieces of content related to a 2022 American anti-vaccine film and found efforts by the social media platforms including Meta's Instagram to remove disinformation fell short. Meta Can Be Sued for Inhumane Working Conditions, Rules Kenyan Court "Overall, just 22 percent of disinformation content we analysed was either labelled or removed by the six major platforms," Avaaz said. It said the companies did not do enough to tackle disinformation in languages other than English. "Despite explicit platform commitments in the code to improve their services in all EU languages, our research found that in certain EU languages - Italian, German, Hungarian, Danish, Spanish and Estonian - no platform took any action against violating posts," Avaaz said. Google Announces ChatGPT Rival Bard, Releases AI Service to Early Testers "This study suggests that most of the major platforms are failing to comply with their Code of Practice commitments and might infringe upcoming DSA obligations," the group said. Meta, Alphabet, Twitter, and Microsoft last year vowed to take a tougher line against disinformation after committing to the updated EU code. Companies face fines up to 6 percent of their global turnover. no platform took any action against violating posts," Avaaz said. Google Announces ChatGPT Rival Bard, Releases AI Service to Early Testers "This study suggests that most of the major platforms are failing to comply with their Code of Practice commitments and might infringe upcoming DSA obligations," the group said. Meta, Alphabet, Twitter, and Microsoft last year vowed to take a tougher line against disinformation after committing to the updated EU code. Companies face fines up to 6 percent of their global turnover. Testers "This study suggests that most of the major platforms are failing to comply with

गडकरी बताएं दिल्ली-एनसीआर के लोग आखिर कहां जाएं

योगेन्द्र योगी

विशेषज्ञों के मुताबिक दिल्ली में रहने वाले कम से कम 10 सिगरेट जितना प्रदूषण हर दिन लेने को विवश हैं। सुप्रीम कोर्ट और राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण जैसी संवैधानिक स्वतंत्र संस्थाए भी तमाम प्रयासों के बावजूद दिल्ली और एनसीआर के प्रदूषण से निपटने में प्रभावी भूमिका अदा नहीं कर सकी। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने अपने बयान में स्वीकार किया था कि दिल्ली में 50 प्रतिशत प्रदूषण वाहनों से निकलता है। गडकरी देश के परिवहन मंत्री हैं। ऐसे में सवाल यही उठता है कि आखिर प्रदूषण की विकराल समस्या से निपटने की जिम्मेदार किसकी है।

देश की राजधानी दिल्ली का प्रदूषण इतना खतरनाक स्तर तक पहुंच गया है कि केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी दिल्ली आने से घबराते हैं। गडकरी ने कहा कि स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड? से वे दिल्ली आने से कतराते हैं। गडकरी मंत्री हैं। उनके पास साधन और सुविधाएं हैं। वे कहीं भी आसानी से आवागमन कर सकते हैं। सवाल दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी परियोजना क्षेत्र (एनसीआर) के करोड़ों लोगों के जीवन का है। इतने लोग अपना कामकाज, घरबार छोड़ कर कहां जाएं। प्रदूषण के धीमे जहर को पीना उनकी मजबूरी बन गई है। ज्यादातर सांसदों, मंत्रियों पर अकूत दौलत है। उनके लिए प्रदूषण से बचने के लिए कहीं भी देश में सरकारी खर्च पर आना-जाना आसान हैं। वैसे भी नेताओं को संसद और विधानसभा को सुचारू चलाने की ज्यादा डूषचता नहीं है। दिल्ली और एनसीआर के लोगों को सरकारी मशीनरी और नेताओं के नाकारपन का अभिशाप झेलने को मजबूर होना पड़ रहा है।

देश की राजधानी होने के बावजूद दिल्ली हर तरह के जानलेवा प्रदूषण की शिकार है। वाहनों और फैक्ट्री के धुएं से होने वाला प्रदूषण, यमुना का प्रदूषण और घरों-प्रतिष्ठानों से निकलने वाले कचरे का प्रदूषण। तीनों तरह के प्रदूषण का बोझ उठाने के लिए दिल्ली अभिशप्त हो चुकी है। दिल्ली में केंद्र भाजपा गठबंधन की और राज्य में आप की सरकार मौजूद हैं। इससे पहले दिल्ली में लंबी अवधि तक कांग्रेस का शासन रहा है। प्रदूषण से निपटने में सभी राजनीतिक दल नाकाम रहे हैं। दिल्ली में कचरे का पहाड़ आज भी नेताओं के दावों-वादों को मुंह चिढ़ा रहा है। हिंदू-मुस्लिम विवाद और भ्रष्टाचार की तरह प्रदूषण नेताओं के लिए कभी चुनावी मुद्दा नहीं बन पाया। जब कभी प्रदूषण का मुद्दा उठता भी है तो केंद्र और दिल्ली की सरकार गेंद एक-दूसरे के पाले में डाल कर अपनी जिम्मेदारी से बरी हो जाती हैं। यही वजह है कि दिल्ली और एनसीआर की आबोहवा इतनी बिगड़ चुकी है कि सांस लेना भी दुभर हो रहा है।

विशेषज्ञों के मुताबिक दिल्ली में रहने वाले कम से कम 10 सिगरेट जितना प्रदूषण हर दिन लेने को विवश हैं। सुप्रीम कोर्ट और राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण जैसी संवैधानिक स्वतंत्र संस्थाए भी तमाम प्रयासों के बावजूद दिल्ली और एनसीआर के प्रदूषण से निपटने में प्रभावी भूमिका अदा नहीं कर सकी। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने अपने बयान में स्वीकार किया था कि दिल्ली में 50 प्रतिशत प्रदूषण वाहनों से निकलता है।

गडकरी देश के परिवहन मंत्री हैं। ऐसे में सवाल यही उठता है कि आखिर प्रदूषण की विकराल समस्या से निपटने की जिम्मेदार किसकी है। जब देश का परिवहन मंत्री ही समस्या के समाधान से मुंह चुराने लगे तो अवाम किससे उम्मीद करे।

स्विस संगठन की विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट 2023 में दिल्ली को सबसे खराब वायु गुणवत्ता वाला राजधानी शहर बताया गया है। रिपोर्ट 2023 के अनुसार, 2023 में 134 देशों में से बांग्लादेश और पाकिस्तान के बाद भारत की वायु गुणवत्ता तीसरी सबसे खराब की भविष्यवाणी की गई। राष्ट्रीय राजधानी को वर्ष 2018 से लगातार चार बार विश्व का सबसे प्रदूषित राजधानी शहर बताया गया है। रिपोर्ट में कहा गया कि अनुमान है कि भारत में 1.36 अरब लोग पीएम 2.5 की सांद्रता का अनुभव करते हैं, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा अनुशंसित वार्षिक दिशानिर्देश स्तर 5 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से अधिक है। दिल्ली और एनसीआर में प्रदूषण से खराब हालात में सुधार करने के लिए सुप्रीम कोर्ट के प्रयास भी सरकारों के नाकारपन के कारण बौने साबित हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट दर्जनों बार फटकार लगा चुका है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर सुनवाई दौरान कहा कि कोर्ट कमिश्नरों की रिपोर्ट में चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। अदालत ने कहा कि सरकारी एजेंसियों और दिल्ली पुलिस के बीच समन्वय की कमी है। साथ ही अदालत ने कहा कि दिल्ली में फिल्हाल ग्रैप-4 जारी रहेगा। दिल्ली सरकार, एमसीडी, डीपीसीसी, सीएक्यूएम और अन्य अधिकारियों के बीच समन्वय की पूरी तरह से कमी है। समन्वय सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग पर है। इसलिए ग्रैप-4 को लागू करने के लिए समन्वय हो।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार के साथ-साथ पंजाब और हरियाणा की राज्य सरकारों को फटकार लगाई क्योंकि राज्य प्रदूषण विरोधी उपायों को लागू करने में विफल रहे। यह ऐसे समय में हुआ है जब दिल्ली एनसीआर की वायु गुणवत्ता बहुत खराब बनी हुई है, जिससे सांस संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। मामले की सुनवाई कर रही शीर्ष अदालत की पीठ ने पंजाब और हरियाणा सरकारों द्वारा खेतों में लगी आग को बुझाने के प्रयासों को मात्र दिखावा करार दिया। हवा की गुणवत्ता खराब होने का एक स्पष्ट कारण पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश जैसे कृषि प्रधान राज्यों में पराली जलाने की बार-बार होने वाली घटनाएँ हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने 23 अक्टूबर को पर्यावरण कानूनों को शक्तिहीन बनाने के लिए केंद्र की आलोचना की और कहा कि वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) अधिनियम के तहत पराली जलाने पर दंड से संबंधित प्रावधानो को लागू नहीं किया गया है। मामले की सुनवाई कर रही पीठ ने कहा कि वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के प्रावधान को लागू करने के लिए कोई आवश्यक तंत्र बनाए बिना ही अधिनियम लागू कर दिया गया। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के अनुसार भारत में हर साल पैदा होने वाले 22 मिलियन टन चावल के ठूंठ में से लगभग 14 मिलियन टन पराली को आग के हवाले कर दिया जाता है। यह पैदा होने वाले चावल के ठूंठ का लगभग 63.6 प्रतिशत है और हरियाणा और पंजाब में अकेले जलाई जाने वाली पराली का 48 प्रतिशत हिस्सा है। हालत यह है कि वोटों के डर से राज्य और केंद्र की सरकारें पराली जलाने पर पूरी तरह रोक नहीं लगा पा रही हैं। राजनीतिक दलों के लिए किसानों का वोट बैंक आम लोगों के जीवन पर भारी पड़ रहा है। यही वजह है कि पराली जलाने की हर साल होने वाले घटनाओं के बावजूद कोई भी सरकार सख्त कदम उठाने से हिचकिचाती है। यहां तक की सरकारें वोटों के लालच में लगातार अदालत के निदेर्शों की अवहेलना कर रही हैं। कुछ दिन पहले हरियाणा सरकार ने कथित तौर पर कैथल जिले में पराली जलाने के आरोप में 18 किसानों को गिरफ्तार किया था। ऐसी गतिविधियों पर लगाम लगाने में विफल रहने के कारण राज्य के कृषि विभाग के करीब 24 अधिकारियों को निलंबित भी किया गया था। गौरतलब है कि हजारों किसान पराली हर साल जलाते हैं। इसके बावजूद कुछ किसानों की गिरफ्तारी महज दिखावा है। केंद्र सरकार ने 2022 में पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और दिल्ली एनसीआर राज्यों में फसल अवशेषों के इन-सीटू प्रबंधन के लिए कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा देने की योजना शुरू की। पंजाब को पराली जलाने की समस्या से निपटने के लिए 2018-22 के दौरान इस योजना के तहत 1,387.6 करोड़ रुपये से अधिक मिले। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने 22 अक्टूबर को पंजाब सरकार को निर्देश दिया कि वह बताए कि राज्य में धान की पराली जलाने पर रोक लगाने के लिए उसने क्या कदम उठाए हैं। सुप्रीम कोर्ट और एनजीटी के लगातार प्रयासों के बावजूद प्रदूषण से बिगड़े हालात में ज्यादा सुधार नहीं हुआ है। दरअसल नौकरशाह नेताओं के इशारों पर काम करते हैं। नेता वोट के कारण किसानों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने से कतराते हैं। यह निश्चित है विश्व में प्रदूषण को लेकर बदनाम हो चुकी राजधानी के हालात सुधारने के लिए जब तक अदालतें नौकरशाहों के खिलाफ कठोर कार्रवाई नहीं करेंगी, तब तक इनकी प्रवृत्ति में सुधार संभव नहीं है।

संपादकीय

जवाबदेही का सवाल

बांग्लादेश में हिन्दुओं समेत अनेक अल्पसंख्यकों के खिलाफ लगातार हो रहे टारगेटेड हमले से देसी नहीं विदेशों में रहने वाले और प्रवासी भारतीय भी क्षुब्ध हैं। पश्चिम बंगाल सहित देश के अन्य हिस्सों में इन हमलों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। सोमवार को अमेरिका में भी भारतीय अमेरिकीयों ने 'हमें न्याय चाहिए और हिंदुओं की रक्षा करो' का नारा लगाते हुए व्हाइट हाउस से लेकर पूरी राजधानी में मार्च निकाला। एक जिम्मेदार देश होने के नाते भारत सरकार ने बांग्लादेश के घटनाक्रम पर बहुत संयत रवैया अपनाया है और वहां लोकतांत्रिक और समावेशी सरकार की स्थापना में सहयोग देने की पहल की है। इसी क्रम में भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने सोमवार को बांग्लादेश की यात्रा की और अंतिम सरकार के मुखिया मोहम्मद युनूस, विदेश सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन के साथ मुलाकात की। अगस्त में शेख हसीना की सरकार के पतन के बाद पहली बार किसी उच्च भारतीय अधिकारी ने ढाका की यात्रा की। हसीना की सरकार के गिरने के बाद वहां जिस तरह हिन्दुओं के घरों, दुकानों और उपासना स्थलों पर हमले हो रहे हैं उसे दोनों देशों के रिश्ते असहज हो गए हैं। विदेश सचिव ने मोहम्मद युनूस और मोहम्मद तौहीद हुसैन से बातचीत में अल्पसंख्यकों का मुद्दा उठाया और भारत की चिंता सुनने अवगत कराया। विक्रम मिस्री के बयान के बाद उनके बांग्लादेशी समकक्ष तौहीद हुसैन ने हिन्दुओं और अन्य अल्पसंख्यकों पर हो रहे हम लोगों को दुष्प्रचार बताकर खंडन किया और कहा कि भारत को बांग्लादेश के अंदरूनी मामलों में दखल देने से बचना चाहिए। यह तथ्य है कि सभी आधुनिक राष्ट्रीय राज्य की जिम्मेदारी बनती है कि वह अपने अल्पसंख्यक नागरिकों की जान-माल की रक्षा करे और यह उसका आंतरिक मामला भी होता है। लेकिन अगर कोई राज्य अपनी जिम्मेदारियों या राष्ट्री धर्म का पालन ठीक से नहीं करता है तो उसके खिलाफ कौन कार्रवाई करेगा। विडंबना है कि आधुनिक राष्ट्रीय राज्य से इस सवाल का स्पष्ट जवाब नहीं मिलता। विश्व जनमत इस सच्चाई को कैसे झुठला सकता है कि इस्कॉन के पूर्व सदस्य कृष्णदास को झूठे मामले में गिरफ्तार किया गया। यह विडंबना है कि बांग्लादेश अपने देश के गौरवपूर्ण इतिहास को झुठला रहा है और पाकिस्तान की तरफदारी कर रहा है। एक संप्रभु और स्वतंत्र आधुनिक देश होने के नाते बांग्लादेश को अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के सवाल पर जवाबदेह होना चाहिए।

चिंतन-मनन

सबसे बड़ा दरिद्र

सिंहगढ़ राज्य की सीमा के पास एक गांव सोनपुर में एक महात्मा अपने दो शिष्यों के साथ आ पहुंचे। वहां की शांति और हरियाली देख कुछ दिन वे वहीं ठहर गए। एक दिन महात्मा जी जब भिक्षा मांगने जा रहे थे, सड़क पर एक सिक्का दिखा, जिसे उठाकर उन्होंने झोली में रख लिया। दोनों शिष्य इससे हैरान थे। वे मन में सोच रहे थे कि काश सिक्का उन्हें मिलता, तो वे बाजार से मिठाई ले आते। महात्मा जी भांप गए। बोले-यह साधारण सिक्का नहीं है, मैं इसे किसी सुपात्र को दूंगा। पर कई दिन बीत जाने के बाद भी उन्होंने सिक्का किसी को नहीं दिया। एक दिन महात्मा जी को खबर मिली कि सिंहगढ़ के महाराज अपनी विशाल सेना के साथ उधर से गुजर रहे हैं। महात्मा जी ने शिष्यों से कहा, वत्स! सोनपुर छोड़ने की घड़ी आ गई। शिष्यों के साथ महात्मा जी चल पड़े। तभी राजा की सवारी आ गई। मंत्री ने राजा को बताया कि ये महात्मा जा रहे हैं। बड़े ज्ञानी हैं। राजा ने हाथी से उतर कर महात्मा जी को प्रणाम किया और कहा, कृपया मुझे आशीर्वाद दें। महात्मा जी ने झोले से सिक्का निकाला और राजा की हथेली पर उसे रखते हुए कहा, हे सिंहगढ़ नरेश, तुम्हारा राज्य धन-धान्य से संपन्न है। फिर भी तुम्हारे लालच का अंत नहीं है। तुम और पाने की लालसा में युद्ध करने जा रहे हो। मेरे विचार में तुम सबसे बड़े दरिद्र हो। इसलिए मैंने तुम्हें यह सिक्का दिया है। राजा इस बात का मतलब समझ गए। उन्होंने सेना को वापस चलने आदेश दिया।

कांग्रेस के भविष्य पर नए सवाल, राहुल और प्रियंका की बढ़ेंगी मुश्किलें

प्रियंका गांधी वाड्रा की भी संसदीय पारी का आगाज हो गया, पर इसी दौरान कांग्रेस की नियति को लेकर नए सिरे से सवाल उठ खड़े हुए हैं। उत्तर प्रदेश के कांग्रेसी दशकों नारा लगाते रहेः अमेठी का डंका, बेटी प्रियंका, मगर वह केरल की वायनाड सीट से संसद पहुंचीं। वायनाड में उपचुनाव की नौबत इसलिए आई कि इस बार रायबरेली और वायनाड, दो सीटों से जीते राहुल ने पारिवारिक सीट रायबरेली रखने का फैसला किया।

राजस्थान से राज्यसभा पहुंचने से पहले सोनिया गांधी रायबरेली से ही लोकसभा चुनाव जीतती रहीं। उनसे पहले पति राजीव गांधी रायबरेली का प्रतिनिधित्व करते रहे। फिरोज गांधी और इंदिरा गांधी भी रायबरेली से लोकसभा के लिए चुने जाते रहे। सोनिया गांधी द्वारा इस बार संसद जाने के लिए राज्यसभा का रास्ता चुने जाने के बाद अटकलें थीं कि राहुल वायनाड और अपनी पुरानी सीट अमेठी से लड़ेंगे, जबकि प्रियंका रायबरेली से अपनी संसदीय राजनीति की शुरूआत करेंगी, लेकिन कांग्रेस ने चौंकाने वाला निर्णय लिया। परिवार और पार्टी के निष्ठावान किशोरी लाल शर्मा को अमेठी से स्मृति इरानी के विरुद्ध चुनाव में उतारा, जबकि राहुल के लिए अपेक्षाकृत सुरक्षित रायबरेली को चुना। कांग्रेस का दांव सफल भी रहा। रायबरेली से राहुल तो जीत ही गए, किशोरी लाल ने भी अमेठी से स्मृति इरानी को हरा कर सबको चौंका दिया। राहुल और किशोरी लाल, दोनों के चुनाव प्रचार और प्रबंधन की कमान प्रियंका गांधी ही संभालती नजर आई थीं। जब राहुल ने वायनाड छोड़ने का एलान किया तभी उपचुनाव में प्रियंका के प्रत्याशी होने का फैसला हो गया था। राहुल ने कहा था कि वायनाड के मतदाताओं को उनकी कमी महसूस न हो, इसलिए वहां से होने वाले उपचुनाव में बहन प्रियंका गांधी कांग्रेस उम्मीदवार होंगी। बेशक वायनाड से प्रियंका की जीत में किसी को संदेह नहीं था, लेकिन भाई राहुल से भी ज्यादा अंतर से जीत हासिल कर उन्होंने चौंकाया। प्रियंका चार लाख से भी ज्यादा वोटों के अंतर से जीती हैं। उनका मुकाबला सत्तारूढ़ एलडीएफ प्रत्याशी से हुआ, जबकि भाजपा की उम्मीदवार तीसरे स्थान पर रहीं। हालांकि प्रियंका गांधी की संसदीय पारी का आगाज भले ही अभी हुआ है, लेकिन वह राजनीति में नई नहीं हैं। खुद प्रियंका गांधी ने बताया कि वह 35 साल से राजनीति में सक्रिय हैं और उन्होंने 1989 में 17 साल की उम्र में पहली बार अपने पिता राजीव गांधी के लिए चुनाव प्रचार किया था। सभी जानते हैं कि रायबरेली और अमेठी में वह मां और भाई के लिए अतीत में भी चुनाव प्रबंधन और राजनीतिक कामकाज देखती रही हैं।

प्रियंका की संसदीय राजनीति का आगाज ऐसे समय हुआ है, जब छह महीने पहले लोकसभा चुनाव में पुनरुत्थान के संकेत मिलने के बाद कांग्रेस फिर पस्तहाल नजर आ रही है। अक्टूबर में हाथ में आती दिख रही हरियाणा की सत्ता फिसल गई, तो जम्मू-कश्मीर में मित्र दल नेशनल कांफ्रेंस की बड़ी जीत के बावजूद कांग्रेस मात्र छह सीटों पर सिमट गई। फिर नवंबर में महाराष्ट्र में चुनावी पराभव का नया कीर्तिमान बनाया तो झारखंड में अनुकूल माहौल के बावजूद कांग्रेस सीटें बढ़ाने में नाकाम रही।

भाजपा से सीधे मुकाबले में कांग्रेस के लगातार लचर प्रदर्शन और उसके बावजूद आत्मकेंद्रित अहंकारी व्यवहार के चलते अब गठबंधन में भी उसके विरुद्ध स्वर मुखर होने लगे हैं। घटक दलों के नेता गठबंधन की कमान ममता बनर्जी को देने की पैरवी कर रहे हैं। जून में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष बने राहुल गांधी की नेतृत्व क्षमता पर भी मित्र दल ही सवाल उठाने लगे हैं। बेशक प्रियंका गांधी बेहतर वक्ता मानी जाती हैं, लेकिन उनके साथ ही गांधी-नेहरू परिवार के तीनों सदस्यों के संसद में आ जाने से वंशवाद के मुद्दे पर भाजपा के आक्रमण को जो तेज धार मिलेगी, उससे बचाव कांग्रेस के लिए आसान नहीं होगा।

ऐसे में यह स्वाभाविक सवाल अनुत्तरित ही है कि कांग्रेस आलाकमान या कहें कि खुद परिवार ने यह रास्ता क्यों चुना? आखिर प्रियंका राजनीति में तो थी हीं। सालों पहले ही सीधे कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव बनाई जा चुकी थीं। वह उत्तर प्रदेश सरीखे बड़े राज्य की प्रभारी थीं। हालांकि स्टार प्रचारक होने के बावजूद वह कांग्रेस को बड़ी चुनावी सफलता नहीं दिलवा पाईं। 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में उन्होंने चर्चित नारा दिया था कि 'लड़की हूं, लड़ सकती हूं।' कांग्रेस ने बड़ी संख्या में महिला उम्मीदवार भी उतारे, पर जोरदार प्रचार अभियान के बावजूद कांग्रेस 402 में से मात्र दो विधानसभा सीटें ही जीत पाई। कांग्रेस का मत प्रतिशत भी ढाई प्रतिशत के आसपास रहा। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की हालत लोकसभा चुनाव में सपा से गठबंधन से सुधरती दिखी, पर हाल के नौ विधानसभा उपचुनाव में सपा ने उसके लिए एक भी सीट नहीं छोड़ी। अब परिवार के तीनों ही सदस्य संसद में पहुंच जाने से वंशवाद के मुद्दे पर भाजपा का आक्रमण तो और तेज होगा ही, कांग्रेस में राहुल के समानांतर एक और सत्ता केंद्र बनने का खतरा भी रहेगा।

ध्यान रहे कि पंजाब में कांग्रेस के पराभव का बड़ा कारण बने नवजोत सिंह सिद्धू को प्रियंका गांधी का समर्थक बताया जाता रहा है। उन्हीं की जिद के चलते पंजाब में पहले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बदला गया और फिर मुख्यमंत्री। इस उठापटक की अंतिम परिणति यह हुई कि मतदाताओं ने कांग्रेस को ही सत्ता से बेदखल करते हुए आम आदमी पार्टी को प्रचंड जनादेश दे दिया। कांग्रेस शासित हिमाचल में भी प्रियंका का दखल रहता है। यदि राहुल और प्रियंका एक-दूसरे के पूरक की भूमिका निभाएंगे तो कांग्रेस की मजबूती में मददगार होंगे, लेकिन यदि वे दो अलग-अलग सत्ता केंद्र बनकर प्रतिद्वंद्वी बन गए तो कमजोर कांग्रेस की मुश्किलें और बढ़ जाएंगी।

प्रियंका गांधी के पति राबर्ट वाड्रा भी बीच-बीच में चुनाव लड़कर समाज और देश-सेवा की इच्छा जताते रहे हैं। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि संगठन के बाद अब संसद में भी प्रियंका की एंट्री से राबर्ट वाड्रा की राजनीतिक भूमिका भी बढ़ेगी क्या? उनके विरुद्ध कई मुकदमे लंबित हैं। पत्नी के सांसद बन जाने के बाद उन मुकदमों की गति और नियति देखना भी दिलचस्प होगा, जिसका राजनीतिक प्रभाव कांग्रेस पर पड़े बिना नहीं रह सकेगा।

-राज कुमार सिंह
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक हैं)

मुद्दाः पर्वतों को बचाने की चुनौतियां

अखिलेश आर्येन्दु

भारत सहित दुनिया के तमाम देशों में पर्वत देवता के रूप में पूजे जाते रहे हैं। लेकिन पहाड़ों के बेतहाशा दोहन से कई समस्याएं पैदा हुई हैं। हम भूल गए कि पहाड़ों के संरक्षण, सुरक्षा की जिम्मेदारी हमारी है। जलवायु परिवर्तन पर अंतरसरकारी पैनल के अनुसार 84 प्रतिशत स्थानीय पर्वतीय प्रजातियां विलुप्ति के कगार पर हैं। संयुक्त राष्ट्र दशक 2021-30 प्रकृति की गिरावट रोकना और वापस लाना दस साल की कोशिश है।

जलवायु परिवर्तन का सबसे ज्यादा असर धरती, पर्वत और हवा पर पड़ा है। धरती तेजी से गर्म हो रही है। मौसम असंतुलित हो गया है। प्राकृतिक आपदाएं ज्यादा देखी जाने लगी हैं। पर्वतों का दोहन इतना अधिक किया गया कि दूसरी तमाम तरह की प्राकृतिक दुर्घटनाएं और समस्याएं आए दिन होने लगी हैं। पर्वतों के दोहन को बचाने और पर्वतों के महत्त्व को समझाने के मकसद से संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2002 को 'अंतरराष्ट्रीय पर्वत दिवस' मनाने की घोषणा की। हर साल 11 दिसम्बर को अंतरराष्ट्रीय पर्वत दिवस मनाया जाता है। अंतरराष्ट्रीय पर्वत दिवस मनाए जाने का मकसद पर्वतों का संरक्षण, सुरक्षा और उनके दोहन को रोकना है। जाहिर है पर्वत और इंसान का रिश्ता बहुत पुराना है। उतना पुराना जितना मानव सभ्यता। धरती का 27 प्रतिशत हिस्सा पहाड़ों से ढका हुआ है। दुनिया के पंद्रह प्रतिशत आबादी का घर पहाड़ हैं, और दुनिया के लगभग आधे जैव विविधता वाले हॉटस्पाट की मेजबानी भी पहाड़ करते हैं। दुनिया की आधी आबादी के रोजमर्रा की जिंदगी बसर के लिए पानी उपलब्ध कराने का कार्य पहाड़ करते हैं। कृषि, बागवानी, पेय जल, स्वच्छ ऊर्जा और दवाओं की आपूर्ति पहाड़ों के जरिए होती है। दुनिया के अस्सी प्रतिशत भोजन की आपूर्ति करने वाली बीस पौधों की प्रजातियों में से छह की उत्पत्ति और विविधता पहाड़ों से जुड़ी है। आलू, जौ, मक्का, टमाटर, ज्वार, सेब जैसे उपयोगी आहारों की उत्पत्ति पहाड़ हैं। हजारों नदियों के स्रोत पहाड़ हैं। भारत में नदियों को ही पूजा नहीं जाता, बल्कि अनेक पहाड़ों की पूजा भी की जाती है। तमाम चमत्कारिक घटनाएं पहाड़ों से जुड़ी हैं। तमाम तरह की सामाजिक, धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत पहाड़ों से जुड़ी हैं। इसलिए पहाड़ों का संरक्षण हमारा कर्त्तव्य है। सृष्टि-उत्पत्ति के साथ सागर और पहाड़, दोनों मानवता के विकास के आधार रहे हैं, लेकिन जैसे-जैसे नई सभ्यता और संस्कृति के साथ विज्ञान का विकास होता गया वैसे-वैसे पहाड़ और सागर, दोनों प्रदूषित किए जाने लगे।

आज हालत यह हो गई है कि पहाड़ और सागर, दोनों का वैभव खत्म होता जा रहा है। जैसे-जैसे वैश्विक जलवायु गर्म होती जा रही है, पर्वतीय ग्लेशियर पिघल रहे हैं। इससे जैव विविधता पर ही असर नहीं पड़ रहा, बल्कि ताजे पानी की उपलब्धता और औषधियां भी लुप्त हो रही हैं।

पर्वतीय पारिस्थितिकी तंत्र बढ़ते प्रदूषण की वजह से खतरे में है यानी दुनिया भर में पर्वतों को संरक्षण देने की जरूरत है। पर्वत हमारे लिए कितने उपयोगी हैं, इसे वह समुदाय सबसे ज्यादा जानता है जिसकी रोजमर्रा की जिंदगी की हर कवायद पर्वतों से जुड़ी है। यूं तो पहाड़ों के संरक्षण को लेकर विश्व का ध्यान 1992 में गया जब पर्यावरण और विकास पर संयुक्त राष्ट्र संघ सम्मेलन में एजेंडा 21 के अध्याय 13 ह्यनाजुक पारिस्थितिकी तंत्र का प्रबंधनः सतत पर्वतीय विकास' पर जोर दिया गया। अंतरराष्ट्रीय पर्वत दिवस मनाने से पिछले दस सालों में पर्वतीय पर्यटन तेजी से बढ़ा है लेकिन इसका नुकसान भी देखा गया है। पर्यटकों की लापरवाही से पर्यावरण का नुकसान हुआ और पर्वतीय पारिस्थितिकी तंत्र के कमजोर पड़ने का खतरा बढ़ा है। पहाड़ी इलाकों के निवासियों को रोजगार जंगल और पहाड़ से मिलता है। खासकर महिलाओं के लिए पहाड़ किसी खेती से कम नहीं हैं। युवाओं के लिए पर्वतीय जैव विविधता का संबंध आज अधिक विश्वसनीय है क्योंकि कलाकृतियों के संरक्षण, मूर्तिकला और बेहतर स्वास्थ्य पहाड़ों के स्वच्छ पर्यावरण से ताल्लुक रखता है। आजीविका और प्राकृतिक आहार पहाड़ों से जितना अच्छा मिलता

है, उतना शायद और कहीं से नहीं मिलता। ईंधन, औषधियों और लता वाली तरकारियां पहाड़ के दर्रों में उगती हैं। तमाम जीव-जंतुओं के आवास स्थल पहाड़ हैं। पहाड़ों के दोहन या क्षरण का मतलब जीव-जंतुओं, बहुमूल्य वनस्पतियों, औषधियों और खनिजझरनों से महरूम होना है। हिमाचल प्रदेश में 11-12 जिलों में कुदरत के कहर से पहाड़ का पोर-पोर धंस रहा है। असम, झारखंड, उत्तराखंड, राजस्थान, महाराष्ट्र और कर्नाटक में भी पहाड़ों के साथ खूब अनर्थ हुआ है। इसे रोकने के लिए राज्य सरकार, केंद्र सरकार, पर्यावरण संरक्षक और जनता को माफिया के खिलाफ आगे आना होगा। धरती पर रहने वाले हर इंसान का पहाड़ों से रिश्ता रहा है। पर्वत बचेंगे तभी मानव सभ्यता, संस्कृति और सेहत, तीनों का बचाव होगा।

RS proceedings adjourned till Monday amid ruckus over no-confidence notice against Dhankhar

▶ Dhankhar said he was a farmer's son and he would not 'show weakness'.

New Delhi, Dec 13 The opposition's move to seek the impeachment of Vice President Jagdeep Dhankhar led to pandemonium in the Rajya Sabha on Friday. With opposition and treasury benches clashing and the Chairman wading into the issue, the proceedings of the House, which have been marred because of the issue and the Adani controversy, were adjourned in the first hour itself. Before the adjournments, Dhankhar said he was a farmer's son and he would not 'show weakness'."Day in and day out there is only a campaign against the Chairman…..it's a campaign not against me; it's a campaign against category to which I belong," he asserted.The Chairman, before adjourning the proceedings at around 11.45 am till Monday, appealed to Leader of the Opposition in the House Mallikarjun Kharge and Leader of the House JP Nadda to come to his chamber to find a way out to end the logjam. "I appeal to you, Khargeji, please spare time, accept my prayer, and see me in my chamber

today.The same request I am making to the Leader of the House also... I will try to navigate things so that we are able to work as members of the House. I would expect Kharge Ji to respond. Let us meet in my chamber and find a way out," Dhankhar said.To this, a visibly angry Kharge retorted, "How can I respect you? You are insulting me".As he was speaking, the Chair adjourned the proceedings till Monday. Trouble arose after BJP's Radha Mohan Das Agrawal raised a point of order and narrated the procedure related to the no-confidence motion against the Vice President of India, who is an ex-officio Chairman of the Rajya Sabha.

PM Modi pays tributes to Parliament attack victims

New Delhi, Dec 13 Prime Minister Narendra Modi on Friday paid tributes to those killed in the terrorist attack on Parliament in 2001. He said that the country remains eternally grateful for their courage and dedication.

Modi paid tribute to them at a commemoration event held in Parliament complex. Eight security personnel had made the supreme sacrifice in the attack carried out by Pakistan-based terrorist organisations. A gardener was also killed.

Security forces killed all five terrorists involved in the attack. Modi on X posted, "Paid homage to those martyred in the 2001 Parliament attack. Their sacrifice will forever inspire our nation. We remain eternally grateful for their courage and dedication."

Over 350 attendees from 36 countries engaged in transformative discussions on innovation, sustainability,and societal impact

New Delhi, 13 December : Shiv Nadar Institution of Eminence (iOE) , Delhi-NCR, successfully hosted the Innovation and Impact Summit 2024 in collaboration with the Times Higher Education (THE), a leading global platform for higher education data and insights.

The event was inauguared by Chief Guest Professor Anil Sahasrabudhe, Chairman of National Educational Technology Forum (NETF); Chairman of the Executive Committee of National Assessment and Accreditation Council (NAAC) and Chairman, National Bureau of Accreditation (NBA), India. The inauguration ceremony featured Phil Baty, Chief Global Affairs Officer of THE and Shikhar Malhotra, Chancellor of Shiv Nadar IoE.

The event saw the participation of 380 attendees from diverse sectors, including academia, industry, and government. Over three days, the event explored various critical topics such as AI, space, neuroscience, health innovations, clean energy, sustainability, and many more.Professor Anil Sahasrabudhe, Chairman of the National Educational Technology Forum and Chairman of EC National Assessment and Accreditation Council, said, "I am delighted to be a part of this prestigious event celebrating India's remarkable progress in innovation and education.

India, moving from 81st to 39th position on the Global Innovation Index in just nine years, reflects the power of blending our rich intellectual heritage with modern innovation. Initiatives like the Atal Innovation Mission and the National Education Policy 2020 transform classrooms into creativity hubs, preparing our youth to tackle global challenges with confidence and ingenuity."Reflecting on the summit's success, Shikhar Malhotra, Chancellor, Shiv Nadar Institution of Eminence, Delhi –

NCR, said, "The Impact and Innovation Summit 2024 marks a great moment for Shiv Nadar Institution of Eminence, Delhi-NCR. We thank Times Higher Education to host this prestigious event in India for the first time.

With participation from 36 countries and discussions spanning domains such as space technology, philanthropy, education and entrepreneurship, , these three days were testament to the power of collaboration and diverse perspectives. Shiv Nadar Institution of Eminence, Delhi-NCR, as the largest initiative of the Shiv Nadar Foundation, stands firmly rooted in our founder's vision of giving back to society through education and innovation. Events like these reaffirm our commitment to driving meaningful progress, addressing pressing global challenges in higher education, and advancing collective solutions through visionary thinking and cross-sector engagement."

Adding to the sentiment, Phil Baty, Chief Global Affairs Officer, Times Higher Education (THE), stated, "I would like to thank Shiv Nadar Institution of Eminence, Delhi - NCR for providing inspiration, demonstrating the innovation and ensuring the impact of this event by hosting us all here this week.

This summit was truly a place to forge new friendships, collaborations, a platform for action, and a call to reassert the role of higher education as a worldwide force of good. The summit provided a unique opportunity to highlight the critical challenges and innovative solutions that will ultimately shape the future of both technology and society.

Target to produce 20 gigawatts of green power by 2030 : Bhatti

Hyderabad, Dec.13 Deputy Chief Minister Bhatti Vikramarka said the State government is formulating a special plan to produce 20 gigawatts of green power by 2030 and as part of its endeavour, it is working with determination for achieving the goal in the energy sector.

As part of the National Energy Conservation Week to be held from December 14 to 20, 2024, the electricity conservation celebrations will be held in Telangana on a grand scale.On the occasion, Deputy Chief Minister Bhatti Vikramarka unveiled the electricity conservation calendar for the year 2025 prepared by the officials of the Telangana State Renewable Energy Development Corporation (TGREDCO) at Pragathi Bhavan here on Friday.

Addressing the programme, the Deputy Chief Minister revealed that the government will formulate a special action plan with the aim of establishing 20GW of renewable energy by 2030 and 40GW by 2035.He stated that technology-based measures are being taken in all sectors to achieve energy conservation and energy efficiency in Telangana.

Bachpan se yahi dekha hai, Rajnath Singh's dig at Rahul Gandhi

New Delhi, Dec 13 In a dig at Congress leader Rahul Gandhi, Defence Minister Rajnath Singh said it was natural for some Opposition leaders to roam around with copies of the Indian Constitution in their pockets.

"Today many leaders of the Opposition roam around with the copies of the Constitution in their pockets. Inhone backpan se yahi dekha hai...This is what they have learnt from their childhood days. For generations they have seen their family members keep the Constitution in their pockets only," Singh said as he opened the debate on the 75th anniversary of the adoption of Indian Constitution in Lok Sabha on Friday.

Rahul Gandhi and several Congress leaders have been flaunting red covered copies of the Constitution while on campaign trails in a series of recent elections, especially 2024 Lok Sabha polls, where they accused the BJP-led NDA of

seeking 400 seats to change the Constitution.

Today in the Lok Sabha, Rajnath Singh recalling the Congress stalwarts -- late Jawaharlal Nehru, Indira Gandhi and Rajiv Gandhi -- said the Congress leaders always used the Constitution as tool to advance their political interests. Singh said for the BJP, the Constitution is a sacred document to be revered with the head bowed and for the Congress it is a copy to be kept in a pocket.

"Our commitment to the Constitution is clear. We have never played with institutional autonomy ever. Constitutional values for us are not exhibits, these values are reflected in our actions,"

Pay attention to Bangladesh, act to end Hindus' misery: Uddhav Thackeray to PM Modi

Mumbai, Dec 13 Shiv Sena (UBT) president Uddhav Thackeray has called upon Prime Minister Narendra Modi to take note of the severe atrocities being perpetrated on the Hindus in Bangladesh and immediately intervene in the matter.

"Why is the government silent on the atrocities on the plight of Hindus in Bangladesh? The Opposition has been raising the issue in Parliament for the past few days on the injustice being meted out to the minority Hindus there, but nothing is being done by India," Thackeray said on Friday.

Speaking to mediapersons, he said a couple of months ago when the Bangladesh cricket team had come to India (September-October), Aditya Thackeray had demanded that we should not play with them, but the government

kept mum and did nothing about it. "We want to know why the PM is not saying anything on this. Hindus are being targeted daily, the ISKCON Temple was burnt, their leaders were arrested and subjected to action, but we are silent," Thackeray said.Taking a jibe, Thackeray said that "on behalf of all the Hindus in the country", he was appealing to the PM that just as he had taken action in the Ukraine crisis, he should do the same in Bangladesh to ensure that the attacks on Hindus stop there."There is no point in making slogans like 'batenge to katenge, fatenge, marenge,' etc.

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अभय सिंह सैनी द्वारा आर डी प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स (प्राइवेट) लिमिटेड A -24 सेक्टर 8 नोएडा से मुद्रित एवं नियर शिव मंदिर ग्राम बैंसी (204) नूंह हरियाणा से प्रकाशित संपादक: अभय सिंह सैनी आर एन आई नंबर : HARBIL/2022/87426 (प्रकाशित लेखों के लेखकों की राय से संपादक या प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं) किसी भी वाद विवाद की स्थिति में जिला नूंह न्यायलय ही मान्य होगा

Shubman Gill toasts old Gabba memories as he prepares to make new ones

▶ The India batter has looked good in his two innings this series but will want a few more runs to show for it

Brisbane, Dec 13 It didn't take long for the memories to come flooding back for Shubman Gill. People forget he played a big part at the Gabba in 2021.Only 21 years old, playing his third Test match, he walked out into perhaps the most intimidating stage Australia had to offer - their captain Tim Paine had made a point to remind them of that when they were able to salvage a draw in Sydney earlier - and looked like he belonged.Gill at his best is comes with a volume warning, because when he hits the ball, it just reverberates around the ground. Sometimes you feel like you could pick out his shots with your eyes closed because the connection is so crisp.Early in India's chase of 329, he hit Mitchell Starc off the back foot all along the ground through cover and on commentary former England cricketer Isa Guha exclaimed, "Crunched! Sound off the bat. Shubman Gill. Wow!" It is unmissable. The 91 he made at the top of the order set India up for the miracle that followed.

"Definitely very nostalgic when I came here," Gill said on the eve of this year's Gabba Test against Australia. "The whole team was coming and just walking to the stadium again after 2021 win, felt very nostalgic." Apart from that natural gift, he seems very well attuned to the vagaries of batting. He understands how things can go wrong and spends ages in the nets trying to fix them. He also understands how things can go right. Former India coach Ravi Shastri recently spoke about how Gill had gone up to Rishabh Pant at tea on the final day of the 2021 Gabba Test and pointed out that Australia might resort to Marnus Labuschagne's legspin to tide them through to the second new ball and that was a time to cash in. (Labuschagne bowled only one over though)

"When you are out there one of the challenges is can you play the game how you want to play the game irrespective of what's happening on the other end or what's happening on the scorecard and I think I faltered in the first innings around because of that," Gill said, "Because what happened on the other end I kind of took that on me.

At 18, Gukesh conquers chess world

New Delhi, Dec 13 At 18 years, six months and two weeks, Indian grandmaster Gukesh Dammaraju became the youngest world chess champion defeating reigning champion Ding Liren of China in game 14 of the world title match in Singapore on Thursday.

He will be crowned the chess champion at a ceremony on Friday.For Gukesh, dethroning Ding in the last game of the hard-fought 14-round classical format matchup by 7.5 points against his rival's 6.5, was the culmination of a childhood dream of bringing back the coveted title to India.

As a seven-year-old chess enthusiast in 2013, Gukesh had seen first Indian world chess champion Viswanathan Anand lose his title to Norwegian Magnus Carlsen in the match played in the customary sound-proof glass box room at Chennai.

Ever since, the son of an ENT doctor and a microbiologist mother nurtured the dream of competing in that glass box — also called the fishtank by the chess grandmasters where outsiders can see you but you can't see them. He finally did so and came up trumps. "In 2013… I watched Vishy sir lose. I was young but that vision has stayed in my memory. The title was taken away from India.

I wanted to be in the same glass box and bring back the title. That has been my dream for the past 10 years or so to be in the glass box. And my best moment, before this, was when I entered the glass box for the first game," he shared after winning the title.It was a befitting birthday gift for Anand, who turned 55 yesterday.

Gukesh replaces Russian grandmaster Garry Kasparov as the youngest world champion. Kasparov was 22 when he won the title. Gukesh is also the 18th world champion — Wilhelm Steinitz was the first to win the crown in 1886.

This is Gukesh's record third world tournament victory in a calendar year. He won the Candidates tournaments, making him eligible to challenge Ding, and later was part of the Indian team that won the gold at the Chess Olympiad. This is also perhaps India's biggest win against China at the world stage where both countries compete on an equal footing — unlike athletics that is dominated by China and hockey that is balanced towards India.

Gukesh showed a remarkable display of aggression and novelty throughout the championship. He kept pressing for a win in a rook-bishop pawn endgame theoretically drawn at the grandmaster level.

Playing with white, Ding had opened with reverse Grunfeld opening — where his light coloured bishop is fianchettoed to control the h1-a8 diagonal. This control had proved decisive in game 12 when he beat Gukesh. But not today. Gukesh produced a surprise sixth move by placing his kingside knight on e7 to support the queenside which was left weak in game 12.

ICC to finalise hybrid model for Champions Trophy with PCB chief on Saturday

New Delhi, Dec 13 The ICC top brass is likely to finalise the hybrid model modalities for the Champions Trophy during a virtual meeting with Pakistan Cricket Board (PCB) chief Mohsin Naqvi on Saturday, it has been learnt.It has been agreed in principle that neither India nor Pakistan will travel to each other's country for ICC events. Hence, India and Pakistan will play in Dubai during the 2025 Champions Trophy which will be held from February 19 to March 9.The tournament will feature eight teams, divided into two groups. The top two teams from each group will advance to the semifinals. The PCB had said that it was willing to accept the hybrid model only if the same arrangement would be made for all ICC events, awarded to India and Pakistan.It means that when India will host the 2025 Women's ODI World Cup, Pakistan will not travel to the neighbouring nation and play against them at a neutral venue.During the 2026 men's T20 World Cup, to be co-hosted by India and Sri Lanka, India will not be able to play the marquee clash against Pakistan at home and instead travel to Colombo for the high-voltage clash."There's a virtual meeting tomorrow which ICC chairman Jay Shah will join from Brisbane. It is expected that ICC will make an official announcement after that," an ICC official told.

2 factions in golf body set to hold separate elections

New Delhi, Dec 13 The Indian Golf Union (IGU) is mired in faction fights. The falling out between IGU president Brijinder Singh and secretary general Harish Shetty has meant that both factions will end up holding elections with different electoral rolls and returning officers.The Shetty group, in fact, has already finished holding its election — Shetty was elected as president alongside Basant Kumar Repswal as secretary general on Wednesday. The Singh-led group will hold the election on December 15 after the Delhi High Court refused to intervene in a petition filed by the Bengal Golf Association challenging its removal from the electoral roll and the changing of returning officer Justice (retd) OP Garg at the last moment.Singh changed Justice Garg after first removing BGA and four other units that were likely to side with Shetty in the elections. He appointed Justice Permod Kohli and then finally Justice (Retd.) Rameshwar Singh Malik for the elections. The Delhi High Court refused to interfere with the election process as elections are to be held within days."Having heard learned counsel for the petitioner, IGU, and the Union of India, I am of the view that it is inappropriate at this stage to interfere with the election process. The poll is scheduled to be held in five days, and any controversy can be raised in challenge to the election results, rather than during the process," Justice Prateek Jalan said in his order.

Treesa-Gayatri keep semis hopes alive

Hangzhou, Dec 13 The Indian women's doubles pair of Treesa Jolly and Gayatri Gopichand defeated the Malaysian combination of Pearly Tan and Thinaah Muralitharan in straight games in their second Group A tie to keep alive their semifinal hopes at the BWF World Tour Finals.Treesa and Gayatri, the only Indians to have qualified for the season-ending tournament, beat their opponents 21-19 21-19 in just 46 minutes to stay afloat in the competition.

Mbappe, Vinicius on target as Real Madrid beat Atalanta 3-2

Madrid, Dec 13 Real Madrid's big stars turned on the style to revive the Spanish giant's faltering Champions League title defense.Galacticos Kylian Mbappe, Vinicius Junior and Jude Bellingham all scored in a thrilling 3-2 win at Italian league leader Atalanta. But Madrid still had to ride its luck as Mateo Retegui fired over from in front of goal in stoppage time when handed a golden chance to level the game.It was only Madrid's third win in the competition's revamped league phase and leaves the 15-time champion in the unseeded playoff positions in 18th place. "It's a very important win. Not everyone wins here. We suffered and competed. In the Champions League, you have to suffer," Madrid coach Carlo Ancelotti said. "It's still difficult to finish in the top eight, but we have two games left to earn points." Six-time champion Liverpool leads the way after maintaining its perfect record in Europe this season with a 1-0 win against Girona. Like Madrid, Paris Saint-Germain also picked up a much-needed win, beating Salzburg 3-0 to sit in the last playoff spot in 24th place. Bayer Leverkusen is second after a 1-0 win over Inter Milan, while Aston Villa beat Leipzig 3-2 and is third.The top eight teams advance directly to the round of 16. Positions nine to 24 face a playoff to reach the next phase.

Real response

After three losses in its opening five games of the league phase, the pressure was mounting on Madrid. Questions were also being asked of Mbappe after his uncertain start since his offseason move from PSG. But he produced a moment of class to fire Madrid 1-0 up after 10 minutes at Gewiss Stadium — controlling the ball with his left foot.